UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत तेज न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

वर्ष-14 अंक-181 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शनिवार 13 जून 2026 youngbharatE-paper.com

खुशखबरी का खुला पिटारा, यूपी में 12वीं पास के लिए बंपर भर्ती

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) ने आबकारी सिपाही के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस भर्ती के जरिए 12वीं पास उम्मीदवारों को सरकारी नौकरी पाने का शानदार मौका मिल रहा है।

722 पदों पर होगी आबकारी सिपाही की भर्ती

यूपीएसएसएससी की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार आबकारी आयुक्त कार्यालय, प्रयागराज के अंतर्गत कुल 722 आबकारी सिपाही पदों को भरा जाएगा। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 4 जून 2026 से शुरू हो चुकी है और उम्मीदवार 24 जून 2026 तक अपना फॉर्म जमा कर सकते हैं।

12वीं पास उम्मीदवार कर सकते हैं आवेदन

इस भर्ती की खास बात यह है कि इसके लिए न्यूनतम योग्यता इंटरमीडिएट यानी 12वीं पास रखी गई है। उम्मीदवार का 12वीं परीक्षा उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

किसी बोर्ड से उत्तीर्ण होना जरूरी है। इससे बड़ी संख्या में युवा इस भर्ती में शामिल हो सकेंगे।

इतनी मिलेगी सैलरी

आबकारी सिपाही के पद पर चयनित उम्मीदवारों को वेतन स्तर-2 के अनुसार भुगतान किया जाएगा। इसमें वेतनमान ?19,900 से ?63,200 तक निर्धारित है। इसके अलावा सरकारी नौकरी के अनुसार अन्य भत्तों और सुविधाओं का लाभ भी मिलेगा।

उम्र सीमा कितनी है?

इस भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए। वहीं अधिकतम उम्र सीमा 40 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को उत्तर प्रदेश सरकार के नियमों के अनुसार उम्र में छूट दी जाएगी।

कैसे होगा चयन?

उम्मीदवारों का चयन कई चरणों के आधार पर किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में PET-2025 के सामान्यीकृत स्कोर के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग, मुख्य लिखित परीक्षा, शारीरिक मानक परीक्षा , शारीरिक दक्षता परीक्षा शामिल हैं।

आवेदन सिर्फ ऑनलाइन होगा

उम्मीदवारों को आवेदन करने के लिए यूपीएसएसएससी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। आवेदन की अंतिम तारीख 24 जून 2026 है। वहीं फीस से जुड़ी प्रक्रिया पूरी करने की अंतिम तारीख 1 जुलाई 2026 तय की गई है।

'अदिति यादव के साथ इस हरकत के पीछे सपाई ही हैं'

एफआईआर से बीजेपी नेता के दावे तक, अखिलेश की बेटी का क्या है विवाद?

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश की सियासत में इस समय एक नया भूचाल आ गया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बड़ी बेटी अदिति यादव को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने बेहद भ्रामक, झूठी और अपमानजनक बातें लिख दीं।

यह मामला सामने आते ही यूपी की राजनीति का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इस पूरे विवाद के बाद न सिर्फ कानपुर और प्रतापगढ़ में गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है, बल्कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बड़े नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी भी शुरू हो गई है। राजनीति से इतर इस मामले ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा और उनके सम्मान को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है। इस पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब सोशल मीडिया पर 'भारत कुमार पटेल' नाम की एक प्रोफाइल से एक बेहद आपत्तिजनक पोस्ट शेयर की गई। इस भ्रामक पोस्ट में 23 साल की अदिति यादव को लेकर चोरी, आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने और देश छोड़कर विदेश भागने जैसे मनगढ़ंत और झूठे दावे किए गए थे। इतना ही नहीं, उनकी एक तस्वीर को भी गलत तरीके से एडिट करके इंटरनेट पर फैलाया गया था। जिसमें वो किसी लड़के के साथ दिखाई दे रही हैं, जिसको लेकर दावा किया जा रहा था कि वो उस लड़के के साथ पैसे लेकर भाग गई हैं। मामला ध्यान में आते ही समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण यादव ने कानपुर के साइबर क्राइम थाने में पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से लिखित शिकायत की। इसके बाद पुलिस तुरंत एक्शन में आई। कानपुर और प्रतापगढ़ में अलग-अलग एफआईआर (स्नङ्घक्र) दर्ज की गई हैं। कानपुर में पुलिस ने तीन लोगों को नामजद किया है, जिनके नाम हैं:भारत कुमार पटेल (जिसकी आईडी से पहली पोस्ट वायरल हुई)

नागेश्वर सिंह बघेल

विनोद कुमार यादव

इसके अलावा प्रतापगढ़ में 'शीतला सुजान कवि' नाम की एक सोशल मीडिया आईडी के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने इन आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 79, 336(4) और आईटी एक्ट की धारा 66E के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस की साइबर सेल अब इस बात की डिजिटल ट्रेसिंग और फॉरेंसिक जांच कर रही है कि यह पोस्ट किस मोबाइल या कंप्यूटर से और किस लोकेशन से अपलोड की गई थी। इस मामले में सबसे सनसनीखेज बयान उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर की तरफ से आया है। उन्होंने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा तो की, लेकिन साथ ही इसका सीधा ठीकरा समाजवादी पार्टी के ही कार्यकर्ताओं पर फोड़ दिया।

राजभर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अदिति यादव उनकी भी बेटी जैसी हैं, लेकिन अखिलेश यादव पूरी तरह से सिर्फ 'ट्विटर, एसी और पीसी (प्रेस कॉन्फ्रेंस)' के नेता बनकर रह गए हैं। उनमें कोई गंभीरता नहीं है। 'बेटी अदिति यादव के खिलाफ जो घटिया हरकत हुई है, मैं गारंटी से कह सकता हूं कि जांच में उसमें भी कोई सपाई (सपा कार्यकर्ता) ही निकलेगा। इस तरह का घटिया ट्रेनिंग किसी लाल या हरी टोपी पहनने वाले मास्टर साहब की कक्षा में ही मिलता है।

सुर्खियां.............

प्रशांत मौर्य बने उरई के नए जेल अधीक्षक

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उल्लेखनीय है कि उरई जिला जेल में नए जेल अधीक्षक के रूप में प्रशांत मौर्य की नियुक्ति की गई है। शासन द्वारा कारागार विभाग में किये गए तबादलों के क्रम में प्रशांत मौर्य को उरई जेल का अधीक्षक बनाया गया है । उन्होंने अपना प्रभार ग्रहण कर लिया है।

पांचवे दिन श्रीकृष्ण बाल लीला और गोवर्धन पूजा का किया वर्णन

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। भदवा गांव में आयोजित भागवत कथा में पांचवे दिन श्रीकृष्ण बाल लीला और गोवर्धन पूजा का वर्णन किया। आयोजित भागवत कथा में कथा व्यास पंडित अशोक शास्त्री ने कहा कि बालक कृष्ण सभी का मन मोह लिया करते थे। नटखट स्वभाव के चलते यशोदा मां के पास उनकी हर रोज शिकायत आती थी। मां उन्हें कहती थी कि प्रतिदिन तुम माखन चुरा के खाया करते हो, तो वह तुरंत मुंह खोलकर मां को दिखा दिया करते थे कि मैंने माखन नहीं खाया। कहा कि भगवान कृष्ण अपनी सखाओं और गोप-ग्वालों के साथ गोवर्धन पर्वत पर गए थे।

30 वृद्धों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक सलाह दी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर में संचालित आवासीय वृद्धाश्रम में भारतीय महिला एवं मानक कल्याण शिक्षा प्रसार समिति द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया ।शिविर में डां मनोज कुमार द्विवेदी ने आश्रम में रह रहे 30 वृद्धों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक सलाह दी तथा आवश्यक दवायें दी।

सरकार का बड़ा फैसला: एक दिन में 200 लीटर से ज्यादा डीजल मिलने पर लगी रोक, सख्त आदेश जारी

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कालाबाजारी रोकने और इसके विनियमन के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत नया आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि किसी भी वाहन या व्यक्ति को एक दिन में पेट्रोल पंप पर 200 लीटर से अधिक डीजल नहीं मिलेगा।

नये नियम से लंबी तथा मध्यम दूरी के माल परिवहन वाले ट्रकों पर असर पड़ने की संभावना है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा गुरुवार देर रात जारी अधिसूचना में खुदरा बिक्री केंद्रों (पेट्रोल पंप डीलरों) को आदेश दिया गया है कि वे डीजल की बिक्री केवल वाहनों के टैंक अथवा पेसो (पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन) से अनुमोदित कंटेनर में ही करेंगे। एक दिन में एक ग्राहक/वाहन को 200 लीटर से ज्यादा डीजल की बिक्री नहीं करेंगे। ऐसे ग्राहकों के लिए भी डीजल की

पुनः बिक्री की मनाही होगी। आदेश में फिलहाल पेट्रोल की खुदरा बिक्री की कोई सीमा तय नहीं की गयी है, लेकिन भविष्य में ऐसा करने की गुंजाइश रखी गयी है। साथ ही, डीजल के साथ इसकी भी जमाखोरी रोकने के लिए कार्रवाई का प्रावधान है। तत्काल प्रभाव से लागू इस आदेश में कहा गया है कि संस्थागत और प्रत्यक्ष अथवा औद्योगिक तथा व्यावसायिक ग्राहक खुदरा बिक्री केंद्र से पेट्रोल या डीजल नहीं खरीदेंगे या नहीं मंगवायेंगे। वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति केवल अपने उपभोक्ता पंप से ही करेंगे। इन प्रतिबंधों का अनुपालन कराने की जिम्मेदारी तेल विपणन कंपनियों तथा खुदरा विक्रय केंद्र डीलरों की होगी। यह आदेश 90 दिन तक या अगले आदेश तक लागू रहेगा। आदेश को लागू कराने के लिए केंद्र या राज्य सरकार किसी राजपत्रित अधिकारी या कम से कम पुलिस उपाधीक्षक रैंक के पुलिस अधिकारी को तलाशी और अधिग्रहण की शक्ति दे सकती है। तेल कंपनी का सेल ऑफिसर या उससे ऊपर के रैंक का अधिकारी भी यह काम कर सकता है। राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया है कि वे आज के आदेश और अन्य लागू कानूनों के तहत पेट्रोल और डीजल से संबंधित जमाखोरी, कालाबाजारी, अनधिकृत रूप से उनकी खरीद जिस उद्देश्य के लिए खरीदा गया है उससे अलग इस्तेमाल और अन्य अनाचारों के विरुद्ध कार्रवाई सहित सभी आवश्यक उपाय करेंगे इन आदेशों का उल्लंघन आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और अन्य लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुसार दंडनीय होगा और उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना भी लगाया जा सकेगा। सरकार ने कहा है कि पेट्रोल-डीजल के थोक और खुदरा मूल्यों में पिछले दिनों पैदा हुए अंतर के कारण संस्थागत ग्राहक खुदरा बिक्री केंद्रों से खरीद कर अनुचित लाभ उठा रहे थे। इस कारण खुदरा ग्राहकों के लिए उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। उसने कहा है कि दोनों जीवाश्म ईंधनों की न्यायोचित उपलब्धता सुनिश्चित करने और उनकी जमाखोरी रोकने के लिए यह आदेश जारी किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति और औद्योगिक, वाणिज्यिक तथा संस्थागत उपभोक्ताओं द्वारा खुदरा बिक्री केंद्रों के माध्यम से खरीद कर अनुचित लाभ उठाने की घटनाओं के देखते हुए 'जनहित में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति, वितरण और बिक्री को उचित कीमतों पर विनियमित करना' आवश्यक है। केंद्र सरकार विशेष आदेश द्वारा किसी भी उपभोक्ता, उपभोक्ता वर्ग, क्षेत्र, लेनदेन या लेनदेन की श्रेणी को इस आदेश से आंशिक या पूर्ण छूट दे सकती है।

जनपद में रिश्वत खाद्य सुरक्षा विभाग को रिश्वत खिलाकर जनता को खिलवाई जा रही है दूषित सामग्री ?

जनपद में खाद्य पदार्थो के दुकानदारों को दम से लूट रहे हैं खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी गैंग बनाकर ?

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

उरई/जालौन। जनपद जालौन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से मिलावटी दूध, पनीर, घी तथा अन्य खाद्य सामग्री की बिक्री की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। वहीं अवैध रूप से गुटखा निर्माण और बिक्री की चर्चाओं ने भी लोगों की चिंता बढ़ा दी है। आमजन का कहना है कि ऐसे उत्पाद लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकते हैं, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से अपेक्षित स्तर की कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है।

जनपद के विभिन्न कस्बों और तहसीलों में खुलेआम बिक रहे दूध, पनीर और घी की गुणवत्ता को लेकर लोगों में संदेह बना हुआ है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि बाजार में ऐसे खाद्य पदार्थ उपलब्ध हैं जिनकी शुद्धता पर प्रश्नचिह्न है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मिलावटी खाद्य पदार्थों का लगातार सेवन करने से पेट, लीवर, किडनी तथा अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसी प्रकार जिले में अवैध गुटखा निर्माण और बिक्री को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि तंबाकू और गुटखा उत्पाद कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। इसके बावजूद यदि अवैध रूप से निर्माण और बिक्री हो रही है तो यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। लोगों का सवाल है कि यदि ऐसी गतिविधियां संचालित हो रही हैं तो उन पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग का दायित्व खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करना तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। लेकिन स्थानीय स्तर पर यह चर्चा बनी हुई है कि जिले में नियमित जांच अभियान अपेक्षित स्तर पर नहीं चल रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि विभाग लगातार सैंपलिंग और निरीक्षण अभियान चलाए तो मिलावटखोरों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। कुछ लोगों द्वारा विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि इन

खाद्य सुरक्षा विभाग लगा है रुपया खाने में और जनता को खिलवा रहा है अपमिश्रित और दूषित खाद्य पदार्थ

आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और न ही विभाग की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। ऐसे में इन आरोपों की सत्यता की जांच सक्षम स्तर पर होना आवश्यक है, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। जनपद के नागरिकों का कहना है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट और अवैध गुटखा कारोबार केवल कानून का उल्लंघन ही नहीं बल्कि आम जनता के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। लोगों ने जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग से मांग की है कि व्यापक जांच अभियान चलाकर संदिग्ध प्रतिष्ठानों से नमूने लिए जाएं तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। फिलहाल जालौन में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था और विभागीय निगरानी को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। जनता की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि संबंधित विभाग मिलावटखोरी और अवैध कारोबार के खिलाफ कितनी प्रभावी कार्रवाई करता है तथा आमजन को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की दिशा में क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

बड़े धंधे बाजो को कानून का भय दिखाकर लूटे जाने से करोड़पति हो रहे हैं खाद्य सुरक्षा अधिकारी और उनके गैंग का स्टाफ

- **सेम्पलिंग का डर दिखाकर हो रही आबाध वसूली, स्टाफ के साथ कुछ दलाल भी हैं सक्रिय**
- **बड़े दुकानदारों के यहां सेम्पलिंग से पहले भेज दी जाती है सूचना**
- **बड़ा पैसा लेकर बदल दिए जाते है सैम्पल भी**
- **पूरी तरह पर्दे में है सेम्पलिंग व्यवस्था, किसी को पता भी नही चलता कि किस दुकानदार की कौन सी चीज दूषित है**

- **जिले का खाद्य सुरक्षा स्टाफ जनता की सुरक्षा के नाम पर सरकार को दे रहा है रोज रोज धोखा**
- **मिलावटी दूध, पनीर और घी की बिक्री से आमजन के स्वास्थ्य गंभीर खतरा**
- **बड़े दुकानदारों चाहे वो मिठाई के हो या अन्य खाद्य पदार्थों के ज्यादा तर से बांध रखा है महीना खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने**

जनपद को गांजे की मंडी बनाने को लेकर पुलिस और तशकरो के बीच जारी है जंग

जनपद में गांजा तस्करी का जाल! भांग की दुकानों या उनके आसपास चल रही है नशीले गांजा की अवैध बिक्री

- पुलिस पकड़ने में पीछे नही है, मगर इसके लिए सीधे जिम्मेदार आबकारी विभाग है खामोश
- माधौगढ़, कदौरा, उरई और कालपी में ग्रामीण क्षेत्रों सहित दम से हो रही है अवैध गांजा की बिक्री
- युवाओं में बढ़ती नशे की लत को लेकर अभिभावकों और सामाजिक संगठनों में चिंता
- पुलिस और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल, प्रभावी कार्रवाई की उठी मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद जालौन में अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री को लेकर एक बार फिर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में गांजा तस्करों के सक्रिय होने और खुलेआम गांजा बेचे जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। खासकर माधौगढ़, कदौरा, उरई मुख्यालय और कालपी क्षेत्र में अवैध गांजा कारोबार को लेकर आमजन के बीच व्यापक चर्चा बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर गांजा तस्कर बेखौफ होकर अपना नेटवर्क संचालित कर रहे हैं, जिससे युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

क्षेत्रीय नागरिकों के अनुसार कुछ स्थानों पर भांग की लाइसेंसी दुकानों के आसपास भी गांजा बिक्री की चर्चाएं सुनाई देती हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन आमजन का कहना है कि यदि संबंधित विभाग गंभीरता से जांच करें तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। लोगों का आरोप है कि लंबे समय से चल रहे इस अवैध कारोबार के बावजूद अपेक्षित स्तर पर कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। जिले के विभिन्न कस्बों और बाजारों में चर्चा है कि नशे का यह कारोबार तेजी से फैल रहा है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का कहना है कि अवैध गांजा बिक्री के कारण युवा वर्ग नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। अभिभावकों की चिंता है कि विद्यालय और महाविद्यालय स्तर के छात्र भी इस प्रवृत्ति से प्रभावित हो सकते हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। आमजन के बीच यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिरकार इतने बड़े पैमाने पर अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री कैसे संचालित हो रही है। लोगों का कहना है कि बिना किसी संरक्षण या लापरवाही के इस प्रकार का कारोबार लंबे समय तक संचालित होना संभव नहीं है। इसी कारण पुलिस और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इन आरोपों के संबंध में कोई आधिकारिक साक्ष्य सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि समय-समय पर पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर कार्रवाई किए जाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अवैध कारोबार पूरी तरह समाप्त होता दिखाई नहीं देता। लोगों का मानना है कि केवल औपचारिक कार्रवाई के बजाय लगातार निगरानी, मुखबिर तंत्र की सक्रियता और संयुक्त अभियान चलाकर ही इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि गांजा तस्करी और अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री के संबंध में व्यापक जांच कराई जाए।

साथ ही ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए जो युवाओं को नशे की ओर धकेलने का काम कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि नशे के खिलाफ केवल कानूनी कार्रवाई ही नहीं बल्कि जागरूकता अभियान भी चलाया जाना चाहिए, ताकि समाज को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराया जा सके। जनपद में बढ़ रही इन चर्चाओं के बीच अब लोगों की निगाहें प्रशासन, पुलिस और आबकारी विभाग की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। आमजन का मानना है कि यदि निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जाएं तो अवैध गांजा कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। साथ ही युवाओं को नशे की लत से बचाकर समाज को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा सकती है।

प्लास्टिक एकत्रित कर दिया स्वच्छता का संदेश

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) माधौगढ़ तहसील की ग्राम पंचायत जगम्मनपुर में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गांव के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों से प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। अभियान में ग्राम प्रधान प्रज्ञादीप गौतम, पूर्व ग्राम प्रधान अनूप कुमार झा 'मिंटू', साधन सहकारी समिति जगम्मनपुर के अध्यक्ष हरेंद्र सिंह चंदेल, पंचायत सहायक बृजेश कुमार, मुन्ना दोहरे सहित अनेक ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने बस स्टैंड, पंचायत भवन, पुलिस चौकी एवं आसपास के क्षेत्रों में पहुंचकर प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथीन और अन्य प्लास्टिक सामग्री को बीन-बीनकर एकत्रित किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे प्लास्टिक कचरे को इधर-उधर न फेंकें तथा निर्धारित स्थानों पर ही डालें। साथ ही एकल उपयोग वाली प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने का संदेश भी दिया गया। निवर्तमान ग्राम प्रधान एवं पंचायत प्रशासक प्रज्ञादीप गौतम ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उपयोग के बाद प्लास्टिक से बनी वस्तुओं को अलग से एकत्रित कर रिसाइकिलिंग के लिए भेजा जाएगा, जिससे पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसे अभियानों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई। अभियान के माध्यम से गांववासियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त ग्राम बनाने का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया।

सरकारी आम रास्ते पर अवैध कब्जे का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम नरी निवासी मैथिलीशरण पुत्र रघुराज परिहार ने सरकारी आम रास्ते पर कथित तौर पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल से की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनके मकान के सामने से गुजरने वाला सार्वजनिक मार्ग पड़ोसी संतराम पुत्र सुधर सिंह परिहार, तुलाराम पुत्र सुधर सिंह परिहार तथा कल्लू पुत्र सुगर सिंह परिहार द्वारा अवैध रूप से घेर लिया गया है।शिकायतकर्ता ने अपने शिकायती पत्र में बताया कि गैरमौजूदगी में आरोपितों ने सरकारी भूमि पर पशुओं के लिए लिड़ौरी (चारा रखने का स्थान) बना दी और रास्ते पर छप्पर डालकर कब्जा कर लिया। इससे आम लोगों के आवागमन में भारी परेशानी उत्पन्न हो रही है। जब शिकायतकर्ता बाहर से लौटकर अपने गांव पहुंचे और उन्होंने इस संबंध में आपत्ति जताई, तो आरोपितों ने कथित रूप से विवाद शुरू कर दिया। शिकायतकर्ता ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपितों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। बताया गया कि आरोपितों ने एक-दो दिन के भीतर लिड़ौरी और छप्पर हटाने का आश्वासन पुलिस को दिया था, लेकिन निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया। मैथिलीशरण का आरोप है कि दोबारा विरोध करने पर आरोपित लाठी-डंडे लेकर गाली-गलौज और मारपीट पर उतारू हो गए तथा अतिक्रमण न हटाने की धमकी दी। पीड़ित ने एसडीएम से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। प्रशासन से अब इस प्रकरण में कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

बिजली घर में आयी खराबी,बिजली आपूर्ति सुबह ढाई घंटे रही ठप्प

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। बिजली घर में आयी खराबी के कारण बालाजी फीडर की बिजली आपूर्ति सुबह ढाई घंटे ठप्प रही।बिजली आपूर्ति ठप्प होने से पेयजलापूर्ति भी ठप्प हो गयी जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उरई मार्ग पर स्थित 33 /11 केवी उपकेंद्र में बिजली आपूर्ति के लिए 4 फीडर सहावनाका, तोपखाना, बालाजी व बैठगंज बने हुए हैं। शुक्रवार की सुबह करीब 9 बजे बिजलीघर में रखी बालाजी फीडर की मशीन में खराबी आ गयी। अचानक लो वोल्टेज निकालने के बाद मशीन में आयी खराबी के कारण सुबह 9 बजे से साढ़े 11 बजे तक बालाजी फीडर की बिजली आपूर्ति ठप्प हो गयी।अवर अभियंता नवीन कंजोलिया के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने मशीन की मरम्मत कर बिजली आपूर्ति बहाल करायी।बिजली घर में खराबी आने के कारण बालाजी मंदिर चौराहे पर बना जल संस्थान का ट्यूबवेल भी बंद हो गया जिससे पेयजल आपूर्ति भी ठप्प हो गयी ।बिजली पानी आपूर्ति ठप्प होने के कारण बालाजी फीडर के उपभोक्ताओं को गर्मी के मौसम में दिक्कत हुई। अवर अभियंता नवीन कंजोलिया के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने मशीन की मरम्मत कर बिजली आपूर्ति बहाल करायी। अवर अभियंता नवीन कंजोलिया ने बताया कि मशीन में खराबी आने के कारण बालाजी फीडर की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गयी थी। मशीन की मरम्मत कर उसे बहाल कर दिया गया है।

नहर कोठी बंगरा में अपना दल (एस) की मासिक बैठक संपन्न, 200 लोगों ने ग्रहण की सदस्यता

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। क्षेत्र के ग्राम बंगरा स्थित नहर कोठी परिसर में अपना दल (एस) की मासिक बैठक का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। बैठक में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ नेता ओंकार सिंह 'विक्की भैया' रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना, सदस्यता अभियान को गति देना तथा आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों पर चर्चा करना रहा।

बैठक को संबोधित करते हुए ओंकार सिंह विक्की भैया ने कहा कि अपना दल (एस) संगठन के विस्तार और जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए पार्टी अभी से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने में जुटी हुई है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे गांव-गांव और घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को लोगों तक पहुंचाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत होता है। कार्यक्रम के दौरान लगभग 200 लोगों ने अपना दल (एस) की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी की नीतियों में विश्वास व्यक्त किया। नवसदस्यों का पार्टी पदाधिकारियों ने स्वागत किया और उन्हें संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सदस्यता ग्रहण करने वालों में युवा, किसान और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल रहे। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, क्षेत्रीय समस्याओं एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष माधौगढ़ हुकुम सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। वक्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के संकल्प के साथ हुआ। बैठक में सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों की उपस्थिति रही।

मुहर्रम को लेकर गोहन थाने में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। मोहर्रम त्योहार को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए थाना गोहन परिसर में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारी अम्बुज सिंह यादव थानाध्यक्ष सतीश कुमार कुशवाहा एवं अन्य पुलिस प्रशासन समेत क्षेत्र के कई गांवों के संभ्रांत नागरिक, ताजियादार और गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों ने कहा कि मोहर्रम शोक, त्याग और एकता का प्रतीक है। इसलिए सभी समुदाय के लोगों को आपसी भाईचारे के साथ नियमों का पालन करते हुए त्योहार मनाना चाहिए। त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, भड़काऊ संदेश और संदिग्ध गतिविधि पर विशेष नजर रखी जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने जुलूस के मार्ग, समय-सारिणी, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जुलूस के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन के साथ-साथ आम जनता की भी जिम्मेदारी है। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दें। ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। ताजिया की ऊंचाई को लेकर भी बैठक में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों ने कहा कि मार्ग में बिजली के तार, पेड़ और अन्य अवरोधों को ध्यान में रखते हुए ताजिया की ऊंचाई 10 से 12 फीट तक ही रखी जाए। इससे किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका नहीं रहेगी। और जुलूस सुचारु रूप से निकाला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। इसके लिए जुलूस के रूट का पहले से निरीक्षण कर लिया जाएगा। और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने अपील की कि सोशल मीडिया पर कोई भी भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट न डालें और त्योहार को मिलजुल कर मनाएं। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने भी अपने सुझाव रखे। और प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

अंत में अधिकारियों ने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि शासन-प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करके ही मोहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न किया जा सकता है।किसी भी व्यक्ति को कोई समस्या हो तो आप लोग बताएं समस्या का समाधान हर हाल में कराया जाएगा इस मौके पर आफाक महताब आलम रब्बुल मुशादशाह अय्यूब खान प्रधान अजीतापुर सहित सरावन जैतपुर अजीतापुर वदनपुर रसूलपुर कुतुबपुर अब्दुल्लापुर नवीपुर हमीदपुर समेत अन्य गांवों के लोगों की मौजूदगी रही है

बाइक से गिरकर महिला गंभीर, सीएचसी में भर्ती

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में बाइक से गिरकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार किया गया।

जानकारी के अनुसार तहसील के ग्राम विलॉया निवासी गुलब्सा पत्नी इस्लाम अपने पति के साथ उरई स्थित हाथी मंदिर के पास रहने वाली अपनी बीमार बहन का हालचाल लेने गई थीं। बहन से मुलाकात करने के बाद दोनों देर रात बाइक से अपने गांव विलॉया लौट रहे थे।बताया गया कि देर रात जब उनकी बाइक सोमई बाईपास के पास पहुंची, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से गुलब्सा बाइक से नीचे गिर गईं। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं और वह घायल हो गईं।घटना के बाद पति इस्लाम और मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल मदद करते हुए एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस के पहुंचने पर घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार किया गया। फिलहाल महिला की हालत पर चिकित्सकीय निगरानी रखी जा रही है।

चलती ट्रेन से गिर गया युवक, बुरी तरह हुआ घायल

सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार देर शाम एक युवक अज्ञात कारणों से चलती ट्रेन से नीचे गिरकर घायल हो गया। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार किया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गयी।प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक ने अपना नाम अमान पुत्र लक्ष्मण बताया है। वह मध्य प्रदेश के सागर जिले के चैनमिला गांव का निवासी है और उसकी उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है। युवक रेलवे की चादर ओढ़े हुए था। अस्पताल में पूछंताछ के दौरान उसने बताया कि वह ट्रेन के दरवाजे के पास बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन से नीचे गिर गया।युवक सोमई रेलवे क्रॉसिंग के पास रेलवे ट्रैक के किनारे घायल अवस्था में पड़ा मिला। क्रॉसिंग पर ड्यूटी कर रहे रेलवे कर्मचारी की नजर उस पर पड़ी। कर्मचारी ने बिना देर किए तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस कर्मी मौके पर पहुंचे और प्राथमिक उपचार देने के बाद घायल युवक को सीएचसी कोंच ले आए।अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा युवक का इलाज किया जा रहा है।डाक्टर उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखे हुए है। घटना की सूचना अस्पताल प्रशासन द्वारा कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर सिंह,मंडी चौकी प्रभारी नितीश कुमार पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और घायल युवक से पूछंताछ कर घटना की जानकारी हासिल की। फिलहाल युवक के ट्रेन से गिरने के सही कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने रेलवे कर्मचारी और 108 एंबुलेंस कर्मियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। लोगों का कहना है कि समय रहते सहायता मिलने से घायल युवक को तत्काल उपचार उपलब्ध हो सका, जिससे उसकी जान बचाने में मदद मिली।

अयोध्या सीओ ने फिल्म फेस्टिवल व इप्टा की कार्यशाला में प्रतिभागियों को दिए टिप्स

-कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले बच्चो मे गजब का टेंलेंन्ट-सीओ अनिरुद्ध

-सांस्कृतिक गतिविधियों से समाज में बदलाव लाया जा सकता-बृजेश

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कमला नेहरू बालिका इंटर कालेज में चल रहे कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल तथा भारतीय जन नाट्य संघ की निशुल्क ग्रीष्मकालीन नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभागियों को विभिन्न कलात्मक विधाओं का प्रशिक्षण दिए जाने के साथ-साथ उनके बौद्धिक विकास के लिए भी विशेष सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों को आमंत्रित कर प्रतिभागियों के साथ संवाद स्थापित कराया जा रहा है।शुक्रवार को आयोजित सत्र में अयोध्या के क्षेत्राधिकारी एवं अभिनेता अनिरुद्ध सिंह सहित कई विशिष्ट अतिथियों ने कार्यशाला में पहुंचकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें अभिनय, व्यक्तित्व विकास तथा जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

अनिरुद्ध सिंह ने प्रतिभागियों को अनुशासन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश देते हुए कहा कि कला और रंगमंच व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम हैं तथा ऐसे प्रशिक्षण शिविर युवाओं की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके प्रेरक विचारों से प्रतिभागियों में नया उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला।कार्यशाला के एक विशेष सत्र में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रदेश प्रधान महासचिव बृजेश सिंह राजावत ने कहा कि युवाओं को अपनी प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि रंगमंच और सांस्कृतिक गतिविधियां समाज में जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं तथा इनके माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।वहीं सेठ वृन्दावन इंटर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य बृजबल्लभ सिंह सेंगर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और संस्कृति का समन्वय व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने प्रतिभागियों को निरंतर अध्ययन और अभ्यास के माध्यम से अपने लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा दी।कार्यशाला को संबोधित करते हुए शिक्षक विवेक सिंह ठाकुर ने कहा कि कला व्यक्ति के भीतर छिपी संवेदनाओं और रचनात्मकता को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने प्रतिभागियों से सीखने की जिज्ञासा बनाए रखने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का आह्वान किया। कार्यक्रम के आरंभ में इप्टा के प्रांतीय सचिव डॉ. नईम बॉबी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य केवल अभिनय प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं में सामाजिक सरोकार, सांस्कृतिक चेतना और रचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना भी है।कार्यशाला संयोजक पारसमणि अग्रवाल ने संचालन करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों की सफल एवं प्रेरणादायी हस्तियों के अनुभव प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में भी विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित कर संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रतिभागियों को बहुआयामी ज्ञान और अनुभव प्राप्त हो सके। इस अवसर पर सार्थक अग्रवाल, वरदान गुप्ता, हेमंत कौशल, काव्या द्विवेदी, चेतन द्विवेदी, सूर्या पाण्डेय, पलक, नखत, नसरीन, महक, मानसी, माही, राधा, आफरीन, समायला, अनामिका, नैनसी, प्रियांशी, सौम्या, ऋतिका वर्मा, दक्ष, अहमद, हृदया, निकिता, अंशिका, आकिफ, रुद्रा, अलोक, रजक, अर्स, प्राची चौधरी, निशि राठौर, जीनत, अल्फिया, पूनम कुमारी, प्रियंका चौधरी, काजल, खुशी, शिवन्या, दानिश अहमद, राज शर्मा, कैफ मंसूरी आदि उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षक सानिया सलमानी ने उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया।

आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर जिलाधिकारी ने ली बैठक

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल एवं भव्य आयोजन को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में योग दिवस के आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं तथा जनसहभागिता को बढ़ाने के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का एक महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि योग दिवस के आयोजन को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों, ग्राम पंचायतों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों को इस अभियान से जोड़ा जाए ताकि अधिक से अधिक लोग योग के प्रति प्रेरित हो सकें। जिलाधिकारी ने आयोजन स्थल पर पेयजल, साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाओं तथा सुरक्षा प्रबंधों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में आने वाले प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी, छात्र-छात्राएं, स्वयंसेवी संगठन तथा आमजन सहभागिता करेंगे। उन्होंने कहा कि योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रभावी माध्यम है तथा वर्तमान समय में इसकी उपयोगिता और भी बढ़ गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता और समन्वय के साथ करे। उन्होंने यह भी कहा कि योग भारतीय संस्कृति और परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरी दुनिया ने अपनाया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवन, सकारात्मक सोच और अनुशासित दिनचर्या के प्रति प्रेरित किया जा सकता है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी के. के. सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी, डी सी मनरेगा रामेन्द्र सिंह सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

लिड़ऊपुर को मिली विकास की सौगात, दो पुलों की नींव के साथ हरियाली का भी संदेश

- करीब 1.88 करोड़ की परियोजनाओं का हुआ शुभारंभ; भूमिपूजन के साथ जनप्रतिनिधियों ने लगाया पौधा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। ग्राम लिड़ऊपुर में गुरुवार को विकास और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला। एक ओर क्षेत्र की वर्षों पुरानी आवागमन समस्या के समाधान की दिशा में दो लघु सेतुओं की नींव रखी गई, वहीं दूसरी ओर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का संदेश भी दिया गया।राज्य योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में स्वीकृत दो लघु सेतु निर्माण कार्यों का भूमि पूजन माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र सिंह निरंजन की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इनमें ऊमरी-पतराही-जगम्मनपुर-कन्जौसा मार्ग तथा लिड़ऊपुर संपर्क मार्ग पर लगभग 1 करोड़ 88 लाख रुपये की लागत से पुलों का निर्माण कराया जाएगा।विधायक ने कहा कि मजबूत आधारभूत संरचना किसी भी क्षेत्र के विकास की रीढ़ होती है। इन पुलों के निर्माण से ग्रामीणों को वर्षभर सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के सामाजिक व आर्थिक विकास को नई गति प्राप्त होगी।भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने विकास कार्यों के साथ प्रकृति संरक्षण को भी उतना ही महत्वपूर्ण बताते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान किया।इस अवसर पर वरिष्ठ नेता शीतल सिंह सेंगर, विधायक प्रतिनिधि महेश प्रताप सिंह राजावत, मंडल अध्यक्ष संतोष प्रजापति, मंडल उपाध्यक्ष हिमांशु चिरवारिया सहित कई जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।ग्रामीणों का कहना है कि इन सेतुओं के निर्माण से न केवल आवाजाही आसान होगी, बल्कि आसपास के गांवों के लोगों को भी सीधा लाभ मिलेगा। क्षेत्रवासियों ने इस पहल को विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

बेचने के लिए अवैध शराब समेत युवक गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कालपी नगर में रामगंज चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक विशाल भढ़ाना हमराही हनीफ शाह कालपी से मोहल्ला तरीबुलदा गस्त करते हुए जा रहे थे तभी मुखबिर ने सूचना दी कि मोहल्ला रामगंज देसी शराब ठेके से एक व्यक्ति अवैध देशी शराब लेकर ग्राम रायड़ दिवारा की तरफ जा रहा है। यदि जल्दी की जाए तो पकड़ा जा सकता है। जैसे ही पुलिस टीम तरीबुल्दा रेलवे अंडरपास के पास छिपकर खड़ी हुई तभी कुछ देर बाद एक व्यक्ति मोहल्ला रामगंज की तरफ से तरीबुल्दा रेलवे अंडरपास के नीचे आया तभी मुखबिर ने इशारा करके बताया कि वह जो व्यक्ति झोला लिए आ रहा है उसी के पास अवैध देशी शराब है मुखबिर खास इशारा करके पीछे मुड़कर चला गया जैसे ही वह व्यक्ति रेलवे अंडरपास के तरीबुल्दा के पास आया। तभी पुलिस टीम ने संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी भयंकर पुत्र दयाशंकर निवासी ग्राम रायढ़ दिवारा के झोले की तलाशी ली गई। तो झोले में 20 अदद देसी ठेका शराब बरामद हुई। पुलिस के द्वारा शराब रखने का लाइसेंस पूछा गया। तो दिखाने से मना किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट की धारा 60 के अंतर्गत चालान कर जेल भेज दिया।

विधिक साक्षरता शिविर/जागरूकता कार्यक्रम 14 जून को

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। सचिव/तहसीलदार तहसील विधिक सेवा समिति ने मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक,सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,जिला प्रोवेशन अधिकारी,जिला समाज कल्याण अधिकारी,जिला कार्यक्रम अधिकारी,खंड विकास अधिकारी डकोर,श्रम प्रवर्तन अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी शहर,बाल विकास परियोजना अधिकारी शहर,पूर्ति निरीक्षक उरई को विधिक साक्षरता शिविर/जागरूकता कार्यक्रम 14.06.2026 के आयोजन के सम्बन्ध में बताया कि मा0 अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जालौन स्थान उरई के पत्र 07.03.2026 के द्वारा माह जून, 2026 में विधिक सेवा कार्यक्रम/विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन 14 जून 2026 को जिला पुरुष चिकित्सालय में विश्व रक्तदान दिवस कैम्प/नालसा/सालसा/राज्य सरकार की योजनायें / पशु क्रूरता से संरक्षण' के प्रति जागरूकता कार्यक्रम हेतु अपरान्ह 10:00 बजे निर्धारित किया गया है, जिसमें टीम लीडर श्री महेश सिंह परिहार व महेन्द्र कुमार मिश्रा, पी0एल0वी0 नामित किये गये हैं। 'उक्त के सम्बन्ध में महेश सिंह परिहार व महेन्द्र कुमार मिश्रा, पीएलवी द्वारा अवगत कराया गया है, कि विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन को जिला पुरूष चिकित्सालय उरई में 14 जून 2026 को किया जा रहा है। अत: आपसे अनुरोध है कि उक्त शिविर में निर्धारित तिथि पर समय से प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

स्टेशन के बाहर समाजसेवियों नें यात्रियों को बांटा भोजन और ठंडा पानी

स्टेशन के बाहर राहगीरों और यात्रियों को वितरित की खाद्य सामग्री

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच उरई रेलवे स्टेशन के बाहर समाजसेवियों ने यात्रियों एवं राहगीरों को भोजन और ठंडे पानी की बोतलें वितरित कर राहत पहुंचाई। सेवा कार्य को लेकर लोगों ने समाजसेवियों की सराहना की।

बुंदेलखंड क्षेत्र इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। दोपहर के समय तापमान बढ़ने से यात्रियों और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में समाजसेवियों की टीम ने उरई रेलवे स्टेशन के बाहर पहुंचकर लोगों को भोजन के पैकेट और ठंडे पानी की बोतलें वितरित कीं। समाजसेवियों ने कहा कि गर्मी के मौसम में जरूरतमंद लोगों की सहायता करना सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि आगे भी इसी प्रकार के सेवा कार्य जारी रखे जाएंगे ताकि राहगीरों और जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सके। इस दौरान मौजूद लोगों ने समाजसेवियों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में यह सेवा कार्य मानवता की मिसाल है। कार्यक्रम में समाजसेवी अनिल दिवाकर, उपेन्द्र यादव (लल्ला) सभासद, महेंद्र दिवाकर, अनूप कुमार, प्रिंस कुमार, मोहन औता, आरिस, अल्कैफ, कामरान, शोएब, हनफ अली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वराज 855 प्रोटेक ट्रैक्टर का भव्य लॉन्च, 13 किसानों को मिली नई ट्रैक्टरों की चाबिया

- किसानों को शॉल, पौधे और माल्यार्पण कर किया गया सम्मानित

- आधुनिक तकनीक से लैस ट्रैक्टर को किसानों के लिए बताया उपयोगी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जालौन रोड स्थित श्री महालक्ष्मी रिसोर्ट में शुक्रवार को स्वराज कंपनी के नवीन स्वराज 855 प्रोटेक ट्रैक्टर का भव्य लॉन्च समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, डीलर प्रतिनिधि और कंपनी के अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान 13 किसानों को नए ट्रैक्टरों की चाबियां सौंपकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेश सचान (जोनल हेड, यूपी स्वराज) रहे। उनके साथ एरिया मैनेजर रोशन गुप्ता, टीएम मिथलेश यादव, एएसएम सतेंद्र सिंह, टीएसएम सौरव सिंह, व्यवस्थापक दौलत सिंह परिहार, दीपक सिंह परिहार, अनिरुद्ध सिंह राजावत, किशन परिहार, राहुल सेंगर, नितेश गिरी, देवेंद्र सिंह, नितिन सेंगर एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथियों का 21 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर तेज प्रताप (डकोर), विनोद यादव, लाला यादव, गोलू (शेखपुर), हरिश्चंद्र (बंधौली), काजू महाराज सहित कई किसानों को माल्यार्पण, शॉल ओढ़ाकर और पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद स्वराज कंपनी के नए मॉडल स्वराज 855 प्रोटेक का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में 13 किसानों को नए ट्रैक्टरों की चाबियां सौंपी गईं। किसानों ने नए मॉडल की विशेषताओं की जानकारी भी प्राप्त की। मुख्य अतिथि महेश सचान ने कहा कि स्वराज 855 प्रोटेक आधुनिक तकनीक, बेहतर माइलेज और उच्च कार्यक्षमता के साथ किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी का उद्देश्य किसानों को भरोसेमंद और उन्नत कृषि यंत्र उपलब्ध कराना है, जिससे खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सके। समारोह के अंत में डीलर किशन परिहार ने सभी अतिथियों एवं किसानों का आभार व्यक्त किया और किसानों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम का संचालन एंकर वर्षा नें किया।

बसपा में संगठनात्मक बदलाव पर जिलाध्यक्ष का बयान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष बृजेश जाटव ने पार्टी संगठन में हुए बदलाव को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी नेतृत्व द्वारा लालाराम अहिरवार को चित्रकूट मंडल प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि बसपा सुप्रीमो के निर्देशन में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से विभिन्न स्तरों पर दायित्वों का पुनर्गठन किया जा रहा है।

जिलाध्यक्ष बृजेश जाटव ने कहा कि लालाराम अहिरवार लंबे समय से पार्टी संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं और उनके अनुभव का लाभ चित्रकूट मंडल में पार्टी को मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य और प्रभावी ढंग से होगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन हित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि बसपा आगामी समय में जनहित के मुद्दों को लेकर और मजबूती से जनता के बीच जाएगी।

छत से गिरकर मजदूर की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

(यंग भारत न्यूज)

उरई । उरई कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कैथेरी में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में 40 वर्षीय मजदूर की छत से गिरकर मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कैथेरी निवासी अवधेश कुमार (40) मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। गुरुवार रात वह अपने घर की छत पर सो रहे थे। परिजनों के अनुसार, रात करीब दो बजे वह छत से नीचे उतर रहे थे, तभी अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने से वह नीचे जा गिरे। हादसे में उनके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। गिरने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें लहूलुहान अवस्था में पाया। आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। अवधेश परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य थे। उनकी असामयिक मृत्यु से पत्नी और बच्चों सहित पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। साथ ही परिवार के सामने आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही उरई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर विधिक कार्रवाई पूरी कर दी है। ग्रामीणों ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतक परिवार को सहायता दिलाने की मांग की है।

दहेज की मांग ने ली विवाहिता की जान, 10 लाख रुपये की मांग को लेकर प्रताड़ना का आरोप

-इलाज के दौरान तोड़ा दम, पति-सास-ससुर पर गंभीर आरोप

-पिता बोले- मारपीट कर सल्फास खिलाया; पुलिस जांच में जुटी

(यंग भारत न्यूज)

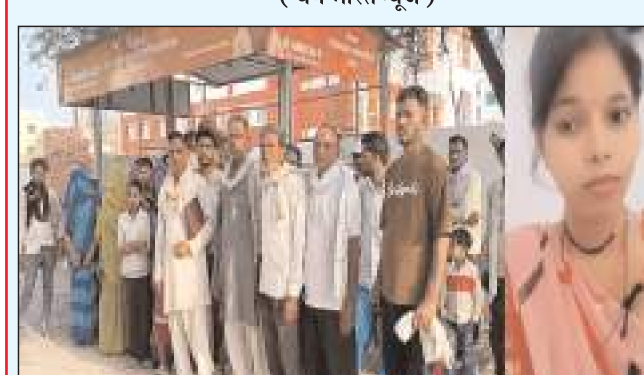

उरई (जालौन)। हमीरपुर जनपद के जलालपुर थाना क्षेत्र स्थित लोधीपुर गांव की एक विवाहिता की उपचार के दौरान मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। मृतका के पिता ने पति, सास और ससुर पर दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित करने तथा मारपीट कर सल्फास खिलाने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार लोधीपुर गांव निवासी ज्योति की तबीयत अचानक बिगड़ने पर उसे गंभीर अवस्था में उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई लाया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।मृतका के पिता का आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज के रूप में 10 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर ज्योति को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने मारपीट कर उसे सल्फास खिलाया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतका के पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

डकोर में जलभराव से ग्रामीणों में मची हाहाकार

-नाले की सफाई न होने से घरों में घुसा गंदा पानी

- ग्राम सचिव पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद के पड़ने वाले डकोर गांव में पहली ही बारिश ने विकास के दावों की पोल खोल दी। जल निकासी की गंभीर समस्या के चलते दर्जनों घरों में पानी घुस गया, जिससे ग्रामीणों का अनाज, सामान और गृहस्थी पूरी तरह पानी में डूब गई। हालात इतने खराब हो गए कि कई घरों में गेहूं और जरूरी सामान पानी में तैरते नजर आए। बताया जा रहा है कि विकासखंड कार्यालय के ठीक सामने करीब ढाई मीटर गहरा और चौड़ा नाला बना हुआ है, जिसकी हर वर्ष बरसात से पहले सफाई कराई जाती है। लेकिन इस बार ग्राम सचिव बुद्ध सिंह की कथित लापरवाही के चलते नाले की सफाई नहीं कराई गई। नतीजा यह रहा कि बारिश का पानी निकासी न मिलने के कारण सीधे ग्रामीणों के घरों में घुस गया। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने पहले ही लिखित प्रार्थना पत्र देकर और कई बार मौखिक रूप से भी नाले की सफाई की मांग की थी, लेकिन ग्राम सचिव ने इसे नजरअंदाज कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि सचिव का रवैया इतना उदासीन था कि उन्होंने साफ शब्दों में कह दिया—जो करना है कर लो, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। बारिश के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। गलियों में पानी भर गया है और कई घरों में रहना मुश्किल हो गया है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही नाले की सफाई नहीं कराई गई तो आगे आने वाली बारिश में स्थिति और भयावह हो सकती है। ग्रामीणों ने शासन और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए जेसीबी मशीन से नाले की सफाई कराने और लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। गांव में फैली इस बदहाली ने एक बार फिर स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उर्स में रातभर गूंजती रही सूफियाना कव्वालियां, कलामों पर झूमे अकीदतमंद

(यंग भारत न्यूज)

मुहम्मदाबाद, जालौन । हजरत फरीदुद्दीन गंजे रवा उर्फ सरकने पीर शाह बाबा के दो दिवसीय उर्स का समापन बृहस्पतिवार देर रात शानदार कव्वाली मुकाबले के साथ हुआ। मुंबई की मशहूर कव्वाल गुलनाज वारसी और बरेली के कव्वाल शादाब निराला के बीच हुए मुकाबले में एक से बढ़कर एक सूफियाना कलाम पेश किए गए, जिन्हें सुनकर अकीदतमंद रातभर झूमते रहे। वहीं दरगाह शरीफ पर लोगों ने फातिहा पढ़कर मुल्क में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुरआन पाक की तिलावत से हुआ। इसके बाद कव्वाली मुकाबला शुरू हुआ। सबसे पहले शादाब निराला ने अपने कलाम 'हमको न कोई गैर सहारा बचाएगा, हमको अली के नाम का सहारा बचाएगा' पेश कर महफिल में रंग जमा दिया। इसके जवाब में गुलनाज वारसी ने 'जगह की कोई कैद नहीं, कोई कहीं बैठे, जहां मकाम था हम वहीं बैठे' कलाम सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। देशभक्ति से ओतप्रोत कलाम 'पड़ोसी देश हमारी तरफ घूर के मत देखना, हम हिंदुस्तानी हैं' पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाईं। इस दौरान जालौन से आए रईस राइन और संजय गौतम ने कव्वालों को नजराना पेश कर उनका उत्साहवर्धन किया। रातभर चले मुकाबले में दोनों कव्वालों ने सूफी, धार्मिक और देशभक्ति से जुड़े कलाम पेश किए। बेहतरीन प्रस्तुति से प्रभावित होकर अंसार हुसैन, आमिर, शशि राजपूत, सलीम हुसैन, जावेद अख्तर और मुजाहिद खान सहित अन्य लोगों ने कव्वालों का फूल-मालाओं से स्वागत किया। शुक्रवार सुबह दरगाह शरीफ पर गुस्ल और फातिहा की रस्म अदा की गई। इसके बाद अकीदतमंदों के बीच तबर्रुक (प्रसाद) वितरित किया गया। उर्स में आए अतिथियों का कमेटी की ओर से पगड़ी बांधकर स्वागत किया गया। संचालन पप्पू थापा और नवाब अली ने किया। इस अवसर पर तालिब हुसैन, तारिक अली, गुफरान, लालू शेख, मोनिश, अंसार हुसैन, रमजान, जुबैर शाह, हाजी नियामत सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। कमेटी की ओर से जावेद अख्तर और आगोश खान ने अतिथियों का स्वागत किया।

कालपी में क्रेट के लेन-देन को लेकर हो गई हिंसा, एक घायल

(यंग भारत न्यूज)

उरई /कालपी। कालपी नगर के प्रमुख बाजार टरननगंज में गुरुवार देर रात क्रेट के लेन-देन को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें लाठी-डंडों का भी प्रयोग किए जाने की बात सामने आई है। घटना के बाद बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद की शुरुआत क्रेट के लेन-देन को लेकर हुई थी। पहले दोनों पक्षों में तीखी कहासुनी हुई, जो कुछ ही देर में हाथापाई और मारपीट में बदल गई। आरोप है कि कुछ लोगों ने सब्जी विक्रेता नासिर पर एकजुट होकर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। रात करीब साढ़े नौ बजे हुई इस घटना से बाजार में मौजूद दुकानदारों और ग्राहकों में भगदड़ मच गई। लोग अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच मारपीट होती दिखाई दे रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायल नासिर को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है तथा वायरल वीडियो के आधार पर आरोपितों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने घटना को लेकर बाजार क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अपर पुलिस अधीक्षक ने किया कोतवाली कालपी का आकस्मिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

(यंग भारत न्यूज)

उरई । जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को कोतवाली कालपी का आकस्मिक निरीक्षण कर थाना परिसर की व्यवस्थाओं एवं अभिलेखों की स्थिति का गहन परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय में रखे अभिलेखों, एचएस इंडेक्स, मिशन शक्ति केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, हवालात तथा मालखाना का बारीकी से अवलोकन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव एवं उनके नियमित अद्यतनकरण पर विशेष बल देते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने लंबित विवेचनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने, वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी करने तथा अपराध नियंत्रण संबंधी कार्यों में और अधिक सक्रियता बरतने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की स्वच्छता व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। उन्होंने परिसर को साफ-सुथरा एवं व्यवस्थित बनाए रखने पर जोर देते हुए पुलिसकर्मियों को जनसामान्य के प्रति संवेदनशील एवं उत्तरदायी व्यवहार अपनाने की हिदायत दी। इस अवसर पर कोतवाली के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण से थाना प्रशासन में कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

रास्ते के विवाद में बढ़ गया झगड़ा मारपीट में महिला की मौत

पूर्व प्रधान समेत चार आरोपी गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

उरई /कदौरा। थाना कदौरा क्षेत्र के ग्राम मझवार में रास्ते को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट और पथराव के दौरान बीच-बचाव करने पहुंची एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पूर्व प्रधान सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी वीरेंद्र और रोहित बिजली विभाग में संविदा लाइनमैन हैं। गुरुवार देर रात ड्यूटी से लौटते समय रास्ते पर पड़े मौरम (बालू) के ढेर को लेकर उनकी कुछ लोगों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट तथा पथराव शुरू हो गया। शोर सुनकर रोहित की पत्नी शशिप्रभा (28) मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास करने लगी। इसी दौरान पथराव में एक भारी पत्थर उसके सिर पर लग गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे झांसी मेडिकल कॉलेज भेजा, लेकिन रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई। महिला की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी एवं क्षेत्राधिकारी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के ससुर की तहरीर पर पुलिस ने पूर्व प्रधान द्वाराराम, रामपाल, हल्कू और बबलू के खिलाफ गैर इरादतन हत्या, मारपीट, गाली-गलौज और एक राय होकर हमला करने समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने बताया कि मामले में नामजद चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा उनसे पूछताछ कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मछली का अवैध शिकार कर रहे 3 को पुलिस ने दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

उरई /कालपी। यमुना नदी में प्रतिबंधित अवधि के दौरान अवैध मत्स्य आखेट करने वालों के खिलाफ मत्स्य विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शुक्रवार को उपनिदेशक मत्स्य गिरीशचंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में विभागीय टीम एवं पुलिस बल द्वारा की गई।

जानकारी के अनुसार शासन द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 जून से 30 अगस्त तक नदियों एवं तालाबों में मत्स्य आखेट पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाता है, ताकि मछलियों के प्रजनन काल में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके बावजूद कुछ समितियों द्वारा नियमों की अनदेखी कर अवैध रूप से मछलियों का शिकार किया जा रहा था। शुक्रवार को मिली सूचना के आधार पर मत्स्य विभाग की टीम ने हीरापुर गांव के समीप यमुना नदी में अचानक छापेमारी की। मौके पर मत्स्य आखेट कर रहे समिति के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बनखंडी (पुत्र छोटेलाल), आशीष (पुत्र बनखंडी) तथा कमल सिंह (पुत्र राधेश्याम) शामिल हैं। टीम ने उनके कब्जे से मछली पकड़ने वाले जाल भी बरामद किए। हालांकि छापेमारी के दौरान नाव पर सवार कुछ अन्य लोग भागने में सफल रहे। उपनिदेशक मत्स्य गिरीशचंद्र त्रिपाठी ने बताया कि प्रतिबंधित अवधि में मत्स्य आखेट और अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने वाली समिति के विरुद्ध विस्तृत रिपोर्ट निदेशालय को भेजी जाएगी। साथ ही संबंधित समिति को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई भी प्रस्तावित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मत्स्य संसाधनों की सुरक्षा और सरकारी राजस्व की हानि रोकने के लिए अवैध मत्स्य आखेट के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा भविष्य में भी दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

यमुना पुल के मरम्मत कार्य एवं यातायात व्यवस्था का अपर पुलिस अधीक्षक ने लिया जायजा

(यंग भारत न्यूज)

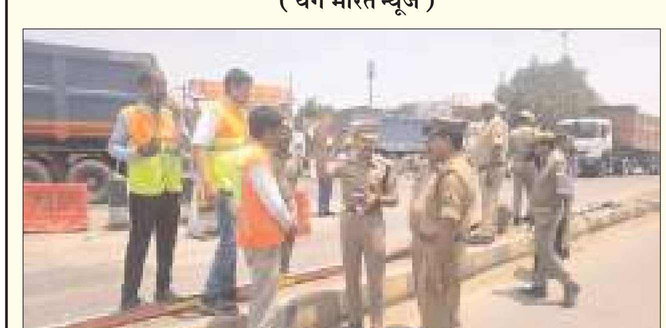

कालपी--उरई । जनपद जालौन के अपर पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार को कोतवाली कालपी क्षेत्रांतर्गत स्थित यमुना पुल पर चल रहे मरम्मत कार्य एवं यातायात व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुल पर संचालित कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा यातायात संचालन की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि मरम्मत कार्य के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए तथा यातायात को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने यातायात पुलिस एवं ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को वाहनों के व्यवस्थित संचालन, जाम की स्थिति पर सतत निगरानी रखने तथा यात्रियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन किया जाए तथा पुल से गुजरने वाले वाहनों और राहगीरों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन एवं पुलिस बल मुस्तैद रखने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने उन्हें मरम्मत कार्य की प्रगति एवं यातायात प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक ने कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने पर बल दिया।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए खेल जरूरी है - विधायक

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़(जालौन) तहसील की ग्राम पंचायत हरौली के शहीद स्मारक के परिसर में क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करते हुए क्षेत्रीय विधायक मूलचंद सिंह निरंजन ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए खेलना बहुत जरूरी है खेलने से व्यक्ति का चारित्रिक और मानसिक विकास होता है तो वहीं एकता का भाव भी आता है उन्होंने कहा बच्चों को शिक्षा के साथ खेलों से जोड़ने की भी बड़ी जरूरत है ब्लॉक प्रमुख मोहित चिंतामन दोहरे ने कहा कि जीवन को सुगम बनाने एवं मानसिक चिंताओं से खेल दूर करते हैं तो वहीं खेलों के माध्यम से प्रतिस्पर्धा भी आती है जीवन को अच्छे से जीने की कला खेलना है महेश प्रताप सिंह राजावत विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि अच्छे समाज की संरचना में खेलों का विशेष महत्व है खेलों से सहभागिता सुनिश्चित होती है इस मौके पर महेश प्रताप सिंह राजावत विधायक प्रतिनिधि मोहित चिंतामन दोहरे ब्लाक प्रमुख माधौगढ़ रविन्द्र सिंह राजावत पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनुराग प्रताप सिंह राजावत पूर्व प्रधान समरथ पाल प्रधान सभासद अरविंद सिंह सेंगर सदस्य जिला योजना समिति जालौन अमित बादल शिवेंद्र सिंह केटी चितौरा विकास सिंह आदित्य सिंह विनीत सिंह सुभाष पाल प्रधान सर्र आशीष दीक्षित शिवम् सिंह सहित अन्य लोगों की मौजूदगी रही है

कुठोन्द के आल बिजवाहा के जंगल में जम कर चल रहा है जुआ

वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

(यंग भारत न्यूज)

उरई /कुठोंद। जनपद के कुंठोद थाना क्षेत्र के आल बिजवाहा गांव स्थित जंगल क्षेत्र में कथित रूप से बड़े पैमाने पर जुए की फड़ संचालित होने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। वीडियो में कई लोगों को एकत्र होकर जुआ खेलते हुए दिखाए जाने का दावा किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, जंगल क्षेत्र में लंबे समय से जुए की फड़ लग रही है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं और लाखों रुपये के दांव लगाए जाते हैं। आरोप है कि आसपास के जनपदों के अलावा अन्य जिलों से भी लोग यहां जुआ खेलने आते हैं। वायरल वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि इस गतिविधि की जानकारी पुलिस को होने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का मानना है कि समय रहते कार्रवाई होती तो इस प्रकार की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सकता था। ग्रामीणों ने जुए के कारण क्षेत्र के युवाओं पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभाव को लेकर भी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि इस तरह की गतिविधियां समाज और नई पीढ़ी के लिए घातक साबित हो सकती हैं। मामले को लेकर कुठौंद थाना प्रभारी निरीक्षक जगदंबा प्रसाद दुबे ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो की जांच कराई जा रही है। वीडियो की सत्यता और उसमें दिखाई दे रहे लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो की जांच में जुटी हुई है और पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

खेत में जेसीबी से खोदा नाला, विरोध पर धमकी देने का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ जालौन । कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सूपा निवासी अवधेश कुमार उर्फ सोनू ने गांव के ही एक ठेकेदार एवं राजनीतिक प्रभाव वाले व्यक्ति पर उसकी कृषि भूमि में जेसीबी मशीन से अवैध रूप से नाला खोदने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। अवधेश कुमार उर्फ सोनू ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके पिता के नाम दर्ज कृषि भूमि ही परिवार की आजीविका का मुख्य साधन है। आरोप है कि 9 जून को गांव का एक ठेकेदार जेसीबी मशीन लेकर खेत पर पहुंचा और बिना किसी अनुमति के खेत में नाला खोदना शुरू कर दिया। इससे कृषि योग्य भूमि को नुकसान पहुंचा और खेती-किसानी का कार्य प्रभावित हुआ। पीड़ित के अनुसार जब वह अपने पिता के साथ मौके पर पहुंचा और इसका विरोध किया तो आरोपी ने मशीन हटवा दी, लेकिन गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपी प्रभावशाली व्यक्ति है, जिससे उसे और उसके परिवार को किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। पीड़ित ने पुलिस से भूमि को हुए नुकसान का आकलन कराने, आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

खेत से चलता है परिवार का गुजारा

अवधेश कुमार ने बताया कि संबंधित कृषि भूमि से ही परिवार का भरण-पोषण होता है। खेत में नाला खोदे जाने से खेती प्रभावित हुई है और आर्थिक नुकसान की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की है।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

प्रभारी निरीक्षक कोतवाली माधौगढ़ ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच कराई जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

तार टूटने से करीब आधा दर्जन गांव की बिजली 10 घंटे रही बाधित

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । दहगुवां फीडर के तार टूटने से करीब आधा दर्जन गांव की बिजली लगभग 10 घंटे बाधित रही । तार सही होने पर बिजली सप्लाई शुरू हो सकी।

बाबई उपकेंद्र से जुड़े दहगुवां फीडर के तार सुबह लगभग चार बजे टूटने से हरदोई राजा, गोकुलपुरा, कुठौंदा बुजुर्ग समेत लगभग आधा दर्जन गांव की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। सुबह तो लोगों को पता नहीं चला लेकिन दिन निकलने पर गर्मी बढ़ते ही लोगों ने पता लगाने का प्रयास किया। जिसमें जानकारी मिली कि तार टूटने से सप्लाई बाधित है। लोगों ने सूचना पर बिजली विभाग ने मरम्मत का कार्य शुरू किया। लगभग पांच घण्टे चले मरम्मत कार्य के बाद शाम लगभग चार बजे जब बिजली सप्लाई शुरू हुई तो लोगों ने राहत की सांस ली।

25 सेकंड में बाप-बेटे का खेल खत्म, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से शूटरों की खौफनाक साजिश का पर्दाफाश

(यंग भारत न्यूज)

बागपत । प्रदेश के बागपत जनपद के बड़ौत में हुए टेंट व्यापारी सोहनलाल अग्रवाल और उनके बेटे विकास अग्रवाल के डबल मर्डर केस में एक बेहद चौंकाने वाला और रूह कंपा देने वाला खुलासा हुआ है। महज 25 सेकंड के भीतर अंजाम दी गई इस दुस्साहसिक वारदात की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने तफ्तीश की दिशा बदल दी है। डॉक्टरों के तीन सदस्यीय पैनल द्वारा की गई वीडियोग्राफी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, बेखौफ शूटरों ने बाप-बेटे को तीन-तीन गोलियां दागकर मौत के घाट उतारा था। गोली की रफ्तार और निशाना इतना सटीक था कि विकास के कंधे को चीरती हुई एक बुलेट सीधे उसके दिल में जाकर धंस गई थी।

पुलिस प्रशासन और डॉक्टरों के मुताबिक, टेंट व्यापारी सोहनलाल अग्रवाल को तीन गोलियां लगी थीं। शूटर वरुण लुहारी ने काउंटर के पास खड़े होकर उनके पेट में दो और जांघ में एक गोली मारी थी। वहीं, पिता को बचाने घर से बाहर दौड़े जांबाज बेटे विकास अग्रवाल को भी तीन गोलियां मारी गईं। विकास की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, एक गोली उसके हाथ को छूकर निकल गई और दूसरी पीठ में लगकर पार हो गई, जबकि तीसरी सबसे घातक गोली उसके कंधे के रास्ते सीधे दिल में जाकर धंस गई। डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम के दौरान इन गोलियों के टुकड़ों को शरीर से बाहर निकाला। बुधवार सुबह जब दोनों के शव पोस्टमार्टम के बाद बड़ौत स्थित आवास पर पहुंचे, तो वहां कोहराम मच गया। घर के आंगन में रखे पिता और भाई के शवों को देखकर सोहनलाल की मूकबधिर बेटी दिव्या खुद को संभाल नहीं पाई। वह कभी पिता के शव से तो कभी भाई के शव से लिपटकर इशारों में न्याय की भीख मांगती रही। यह दर्दनाक मंजर देख वहां मौजूद सैकड़ों व्यापारियों की आंखें नम हो गईं। वहीं, मृतक सोहनलाल की पत्नी उषा इस दोहरे सदमे को बर्दाश्त नहीं कर पायीं और पूरी तरह बेसुध होकर एकटक आसमान की ओर देखती रहीं। मृतक व्यापारी के बड़े भाई राजेश अग्रवाल ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने बताया कि यह रंजिश 10 साल पुरानी है। 10 साल पहले भी इनके घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी, जिसके निशान आज भी घर के मुख्य दरवाजे और दीवारों पर मौजूद हैं। राजेश ने बताया कि चार साल पहले जब वे कचहरी में तारीख पर जा रहे थे, तब हिस्ट्रीशीटर वरुण लुहारी ने केस की पैरवी करने पर जान से मारने की खुली धमकी दी थी। हाल ही में जब वरुण जेल से जमानत पर बाहर आया, तो पुलिस को खतरे का अंदेशा दिया गया था, लेकिन पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इस डबल मर्डर के विरोध में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के व्यापारियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया।

ये खबर आप जस्ट अभी में पढ़ रहे हैं। बड़ौत, अग्रवाल मंडी टटीरी और छपरौली समेत कई कस्बों के बाजार पूरी तरह बंद रहे। व्यापारियों ने दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे पर 10 मिनट तक मानव श्रृंखला बनाकर चक्का जाम किया और नेहरू प्रतिमा तक जुलूस निकालकर फरार बदमाशों के तत्काल एनकाउंटर की मांग की। इस राष्ट्रव्यापी बंद और धरने के कारण क्षेत्र में करीब 50 करोड़ रुपये का व्यापार प्रभावित होने का अनुमान है।

चार बच्चों की मां का था अवैध संबंध, निकाह करने पहुंचा शादीशुदा प्रेमी, फिर चटाई पर दोनों. सुबह में मच गई सनसनी

(यंग भारत न्यूज)

अमरोहा । प्रदेश के अमरोहा से हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. आरोप है कि निकाह से एक दिन पहले प्रेमी ने 40 साल की प्रेमिका की दुपट्टे से गला दबाकर हत्या कर दी.

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गया. पुलिस ने मृतका का शव घर से बरामद किया. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है. जानकारी के मुताबिक संभल के मोहल्ला कोटगर्वी की रहने वाली आयशा, जिसके पति की मौत हो चुकी है, कुछ समय से कस्बे में बस स्टैंड के पास गुड्डू वारसी के मकान में किराए पर रह रही थी. आयशा के साथ उसकी 18 वर्षीय बेटी फायजा, 16 वर्षीय बेटा साहिल, 14 वर्षीय रिहान और आठ वर्षीय अहसान भी रहते थे. आयशा का संभल निवासी परवेज नाम के व्यक्ति संग प्रेम प्रसंग चल रहा था. दोनों ने आपसी सहमति से बुधवार को निकाह करने का फैसला किया था. निकाह की तैयारियों के चलते परवेज भी बीते तीन दिन से उझारी आया हुआ था और परिवार के साथ ही रह रहा था. बच्चों की मानें तो मंगलवार देर शाम सभी लोग घर में सो गए. इसके बाद बुधवार सुबह जब उनकी आंख खुली तो कमरे में मां आयशा मृत पड़ी मिली, जबकि परवेज गायब था. उसके चेहरे पर खून भी लगा था. बच्चों की चीख-पुकार सुन आसपास के लोग मौके पर पहुंचे. सूचना पर सैदनगली थाना पुलिस भी पहुंची. फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए. पुलिस ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है. रात में खाना खाकर चारों बच्चे कमरे के बाहर सो गए थे. वहीं आयशा और परवेज कमरे में चटाई पर सो गए. सुबह 8 बजे बच्चों की नींद खुली तो कमरा खुला पड़ा था. आयशा का शव जमीन पर खून से लथपथ हालत में पड़ा था, जबकि परवेज वहां नहीं था. बेटे साहिल के मुताबिक मां आयशा का परवेज का बुधवार को निकाह होना तय था. बताया जा रहा है कि परवेज राशन ढोने वाली गाड़ी पर कंडक्टर का काम करता है. उसकी पहली पत्नी की 5 साल पहले मौत हो चुकी है. उसके एक साल बाद ही उसने दूसरी शादी कर ली थी. करीब एक साल से वह आयशा के संपर्क में था. आयशा उस पर निकाह करने का दबाव बना रही थी.

मछली तलने के नाम पर बुलाकर लुटता जिस्म, दूसरों को पत्नियों को उठवाता.. 100 बीघे में बनाया अय्याशी का अड्डा...कौन है टीएमसी नेता रबीउल इस्लाम?

(यंग भारत न्यूज)

संदेशखाली के शेख शाहजहां का खौफनाक अध्याय अभी लोगों के जेहन से उतरा भी नहीं था कि उत्तर 24 परगना के देगंगा से एक और 'शाहजहां' का काला चिट्ठा बाहर आ गया है. मीडिया रिपोर्ट्स में छपी जानकारी के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस के प्रभावशाली नेता रबीउल इस्लाम पर आरोप है कि वह अपने आलीशान गार्डन हाउस में महिलाओं को मछली फ्राई करने के नाम पर बुलाता था और फिर उन्हें अपनी हवस का शिकार बनाता था. गरीब से करोड़पति बने इस नेता के जुल्म की दास्तां सुनकर पूरा बंगाल सन्न है.

देगंगा पंचायत समिति का यह नेता रबीउल इस्लाम इलाके में किसी आतंक से कम नहीं था. स्थानीय निवासियों के

अनुसार, रबीउल का अपना एक विशालकाय गार्डन हाउस है, जो करीब 100 बीघा जमीन पर फैला हुआ है. आरोप है कि वह रात के अंधेरे में महिलाओं को मछली तलने या खाना बनाने के बहाने वहां बुलाता था. यह कोई दावत नहीं, बल्कि एक घिनौना जाल था. वहां पहुंचने के बाद महिलाओं को बंधक बनाकर उन पर अमानवीय अत्याचार किए जाते थे. इलाके के लोग बताते हैं कि रबीउल का इतना खौफ था कि कोई भी महिला या उनका परिवार जुबान खोलने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था. रबीउल इस्लाम के उदय की कहानी उतनी ही चौंकाने वाली है जितनी उसके अपराधों की. साल 2011 से पहले रबीउल एक साधारण दिहाड़ी मजदूर था, जो दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष करता था. लेकिन सत्ता के गलियारों में पहुंच बनाने के बाद उसकी किस्मत का सितारा तेजी से चमका. देखते ही देखते वह देगंगा पंचायत समिति में वन एवं भूमि विभाग का शक्तिशाली अधीक्षक बन बैठा. आरोप है कि उसने सरकारी परियोजनाओं के नाम पर मिले धन और पेड़ों को अपने निजी गार्डन हाउस को सजाने में खर्च किया. आज उसकी इस संपत्ति की कीमत 10 करोड़ रुपये आंकी गई है. लंबे समय तक रबीउल ने अपने रसूख के दम पर हर कानून को ठेंगा दिखाया. जबरन वसूली और महिला उत्पीड़न की कई शिकायतें देगंगा थाने पहुंचीं, लेकिन हर बार उसका प्रभाव भारी पड़ा. हालांकि, हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद जैसे ही स्थितियां बदलीं, रबीउल का सुरक्षा कवच टूट गया. पुलिस की सक्रियता बढ़ते ही वह अंडरग्राउंड हो गया और गिरफ्तारी से बचने के लिए अपनी जान बचाकर सीमा पार बांग्लादेश भागने की योजना बना रहा था. लेकिन उसकी यह चालाकी काम नहीं आई. बसिरहाट बॉर्डर पर पुलिस की मुस्तैद टीम ने उसे दबोच लिया. अब वह सलाखों के पीछे है और जांच एजेंसियां उसकी अवैध संपत्ति की परतों को खोलने में जुटी हैं.

हुस्न के पीछे ड्रग्स का धंधा! बैंकॉक से 11 करोड़ की 'हाई-टेक भांग' लेकर मुंबई उतरी 'मिसेज केरल' की कंटेस्टेंट

(यंग भारत न्यूज)

मिसेज केरल' ब्यूटी पेजेंट की पूर्व कंटेस्टेंट और 28 साल की मॉडल को कस्टम अधिकारियों ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बैंकॉक से भारत में हाइड्रोपोनिक भांग की कथित तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एयर इंटेलिजेंस यूनिट के अनुसार, आरोपी महिला, जिसकी पहचान हर्षा सनी के तौर पर हुई है, 10-11 जून की रात बैंकॉक से एयर इंडिया की फ्लाइट ॿत्र-351 से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंची थी। कस्टम अधिकारियों ने बताया कि शक होने पर उसे रोका गया और उसकी बारीकी से तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान अधिकारियों को उसके ट्रॉली बैग से वैक्यूम-सील्ड 12 पैकेट मिले। पैकेट खोलने पर अधिकारियों को हरे रंग का पदार्थ मिला। एनडीपीएस फील्ड टेस्ट किट से शुरुआती जांच में पता चला कि वह पदार्थ भांग थी, जो सूखे फूलों और फलों के ऊपरी हिस्सों के रूप में थी, जिसे आमतौर पर हाइड्रोपोनिक वीड कहा जाता है। अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए नशीले पदार्थ की अनुमानित कीमत 11.82 करोड़ रुपये से ज़्यादा है। बरामदगी के बाद, कस्टम अधिकारियों ने हर्षा सनी को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपी महिला को कोर्ट में पेश किया गया, जिसके बाद एस्प्लेनेड (किला) कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। हर्षा सनी ने पहले 2025 में 'मिसेज केरल' ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लिया था। कथित तस्करी के मामले की आगे जांच चल रही है। महाराष्ट्र में एक और घटनाक्रम में, ठाणे सिटी क्राइम ब्रांच ने कश्मीर घाटी से जुड़े कथित ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 3.03 करोड़ रुपये से ज़्यादा कीमत के नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम) अमरसिंह जाधव ने कहा कि यह ऑपरेशन विभाग द्वारा शुरू किए गए विशेष एंटी-नारकोटिक्स अभियान के तहत चलाया गया था। खुफिया जानकारी के आधार पर, क्राइम ब्रांच की टीम ने 8 मई को गुजरात के अंकलेश्वर निवासी फिरोज अब्दुल खान (52) नाम के संदिग्ध को मुंब्रा की ओर जाते समय रोका। ऑपरेशन के दौरान, पुलिस ने लगभग 3.02 करोड़ रुपये कीमत की 3.020 किलोग्राम चरस और 'SPASMO-PROXYVON R-PLUS' के 12,984 कैप्सूल बरामद किए, जिनमें नशीला पदार्थ 'ट्रामाडोल' होता है। इन कैप्सूल की कीमत लगभग 1.48 लाख रुपये आंकी गई थी।

फतेहपुर में धर्मांतरण का खेल! चाट का ठेला लगाने वाले पिता-पुत्र हिरासत में, 9 साल से चल रही थी चंगाई सभाएं, बजरंग दल का हंगामा

(यंग भारत न्यूज)

गाजीपुर । फतेहपुर के गाजीपुर कस्बे में रविवार को एक प्रार्थना सभा को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया. बजरंग दल ने आरोप लगाया कि चंगाई सभा के नाम पर वर्षों से धर्मांतरण का खेल चल रहा था. सूचना पर पहुंची पुलिस ने मकान मालिक पिता-पुत्र को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. मामले की जांच जारी है. उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के गाजीपुर थाना क्षेत्र में रविवार को धर्मांतरण के आरोपों को लेकर जमकर हंगामा हुआ. बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक घर में चल रही प्रार्थना सभा पर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि यहां पिछले करीब नौ वर्षों से चंगाई सभा के नाम पर लोगों को दूसरे धर्म के प्रति आकर्षित किया जा रहा था. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू करते हुए मकान मालिक सुरेश गुप्ता और उनके पुत्र संजय गुप्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी. घटना के बाद पूरे कस्बे में हड़कंप मच गया. जानकारी के अनुसार गाजीपुर कस्बे में स्थित सुरेश गुप्ता के घर पर प्रत्येक रविवार को प्रार्थना सभा आयोजित होती थी. बताया जा रहा है कि उस दिन भी करीब 20 लोग वहां मौजूद थे, जिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे. आरोप है कि आसपास के गांवों और कस्बों से भी लोग यहां पहुंचते थे.बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को जब इसकी सूचना मिली तो उन्होंने पुलिस को अवगत कराया. इसके बाद पुलिस और संगठन के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे. देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया. बंवारा गांव निवासी ज्ञानेंद्र सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि यहां गरीब, जरूरतमंद और भोले-भाले लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर बुलाया जाता था. शिकायतकर्ता का दावा है कि सभा में आने वाले लोगों को धीरे-धीरे दूसरे धर्म की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया जाता था. उन्होंने कहा कि ये गतिविधियां कोई नई नहीं हैं, बल्कि कई

वर्षों से चल रही थीं. लेकिन अब मामला खुलकर सामने आया है और इसकी शिकायत पुलिस तक पहुंची है. बजरंग दल के धर्मेंद्र सिंह जनसेवक ने कहा कि संगठन को लंबे समय से इस प्रकार की गतिविधियां चलने की जानकारी थी. उनका दावा है कि पिछले नौ वर्षों से यहां नियमित रूप से चंगाई सभाओं का आयोजन किया जा रहा था. उन्होंने आरोप लगाया कि सुरेश गुप्ता और उनका पुत्र संजय गुप्ता, जो कस्बे में चाट का ठेला लगाकर अपना जीवनयापन करते हैं, लोगों को बरगलाकर धर्मांतरण के लिए प्रेरित करने का काम कर रहे थे. ये खबर आप जस्ट अभी में पढ़ रहे हैं। धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि संगठन किसी भी कीमत पर धर्मांतरण जैसी गतिविधियों को स्वीकार नहीं करेगा और मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है.शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मौके से दूसरे धर्म से जुड़े साहित्य, तस्वीरें और अन्य सामग्री भी मिली है. हालांकि इस संबंध में पुलिस ने अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. पुलिस का कहना है कि बरामद सामग्री और वहां मौजूद लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं.

गाजीपुर थाना प्रभारी विनोद सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हुई है और जांच की जा रही है. जिस मकान में सभा आयोजित होने की बात सामने आई है, उसका मालिक भी हिंदू समुदाय से संबंधित है. फिलहाल कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है और सभी तथ्यों को जुटाया जा रहा है. जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

बिना बुलाए शादी में घुसा फर्जी डीआईजी, वर्दी और गनमैन संग स्टेज पर झाड़ा रौब

(यंग भारत न्यूज)

दतिया के कई कारोबारियों को ठगी का निशाना बनाने वाले फर्जी डीआईजी का पर्दाफाश हुआ है। आरोपी मनीष कुमार खुद को एक एनजीओ का फर्जी डीआईजी बताता था। उसने सर्राफा कारोबारी को फर्जी एफआईआर दिखाकर 29 लाख 50 हजार रुपए ऐंठ लिए। मनीष कुमार प्रियांश की शादी में बिना बुलाए अपनी वर्दी और चार गनमैन के साथ पहुंच गया। आरोपी ने केस की फाइल दिल्ली भेजने के नाम पर भी चार लाख 50 हजार रुपए हड़प लिए। कलेक्ट्रेट में जब प्रियांश की मुलाकात असली प्रोफेसर से हुई तब जाकर भंडाफोड़ हुआ। काली वर्दी और चार गनमैन, बन गया डीआईजी जानकारी के अनुसार आरोपी मनीष कुमार हमेशा काली वर्दी में रहता था। उसके साथ चार गनमैन भी होते थे। इस वीआईपी लुक को देखकर कोई भी धोखा खा जाता था। मनीष कुमार खुद को एंटी करप्शन एंड क्राइम कंट्रोल फोर्स संस्था का डीआईजी बताता था। इस संस्था का नाम सुनकर हर कोई इसे सरकारी एजेंसी समझ लेता था। इसी भारी-भरकम नाम का फायदा उठाकर वह डेढ़ साल तक ठगी कर रहा था। बता दें कि डतिया के पीड़ित प्रियांश सिंघल के पिता और एक रिटायर्ड प्रोफेसर के बीच पुराना लेन-देन था। उस प्रोफेसर ने इसी संस्था से मदद मांगी थी और कुछ कागज भी दिए थे। वही कागज मनीष के हाथ लग गए। मनीष कुमार जब प्रियांश की दुकान पर पहुंचा तो उसने वही बातें बताईं जो सिर्फ प्रोफेसर और प्रियांश के बीच हुई थीं। उसने फर्जी एफआईआर की कॉपी भी दिखाई। प्रियांश पूरी तरह उसके झांसे में आ गए। अलग-अलग मौकों पर मनीष ने रुपए लिए। एफआर लगाने और दिल्ली फाइल भेजने के नाम पर अकेले चार लाख 50 हजार रुपए और हड़प लिए। बता दें कि फरवरी में प्रियांश की शादी थी। मनीष बिना बुलाए वर्दी पहनकर और चार गनमैन लेकर पहुंच गया था। उसने मंच पर दूल्हे के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। शादी के माहौल में भी उसने अपना रुतबा दिखाया। कोई शक नहीं कर सका। जानकारी के अनुसार एक दिन प्रियांश की कलेक्ट्रेट में रिटायर्ड प्रोफेसर से मुलाकात हुई। बातचीत में पता चला कि वह ठगी के शिकार हो गए हैं। प्रियांश झांसी स्थित एंटी करप्शन ब्यूरो के दफ्तर पहुंचे। वहां पता चला कि इस नाम का कोई इंस्पेक्टर वहां पदस्थ ही नहीं है। एंटी करप्शन एंड क्राइम कंट्रोल फोर्स एक गैर सरकारी संगठन है। इसका दफ्तर झांसी के सीपरी बाजार में है। इसे एक सेवानिवृत्त कर्मचारी चंद्रशेखर आजाद ने बनाया है।यह संस्था भ्रष्टाचार और अपराध के शिकार लोगों को कानूनी सलाह देती है। यह पीड़ितों की शिकायतें पुलिस और विजिलेंस तक पहुंचाती है। इस संस्था के पास गिरफ्तारी का कोई सरकारी अधिकार नहीं है। मनीष कुमार ने इसी संस्था के नाम का गलत इस्तेमाल किया। उसने खुद को डीआईजीबताया जो पूरी तरह झूठ था।

आया राम-गया राम' हे राम: 9 घंटे में 3 बार बदली पार्टी! भारतीय राजनीति की वो सबसे बड़ी बगावत

(यंग भारत न्यूज)

बंगाल में जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन गई है, वहीं ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस का इस वक्त बुरा हाल नजर आ रहा है. टीएमसी के भीतर एक बहुत बड़ी टूट हो चुकी है. आलम यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में 80 सीटें जीतने वाली ममता बनर्जी के 50 से ज्यादा विधायक खुली बगावत कर चुके हैं, और बाकी बचे विधायक भी इसी राह पर चलते दिख रहे हैं. राजनीतिक गलियारों में तो यहां तक कयास लगाए जा रहे हैं कि एक दिन ऐसा भी आ सकता है जब ममता बनर्जी खुद टीएमसी से इस्तीफा दे देंगी.

वैसे, राजनीतिक दलों में इस तरह की बगावत और उठापटक कोई नई बात नहीं है. भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में बगावत की कई बड़ी और दिलचस्प राजनीतिक घटनाएं पहले भी दर्ज हो चुकी हैं. दिल्ली से सटे हरियाणा राज्य में सालों पहले 'आया राम गया राम' बगावत और दलबदल का एक ऐसा ही अनोखा मामला सामने आया था, जो आज के दौर में एक मशहूर मुहावरे में तब्दील हो चुका है. आइए आपको बताते हैं कि आखिर क्या था यह पूरा दिलचस्प माजरा. दरअसल, यह पूरी कहानी साल 1960 के दशक की है और इस मशहूर मुहावरे के असली नायक हरियाणा के उस दौर के एक विधायक गया लाल हैं. पंजाब से अलग होने के बाद हरियाणा एक नए राज्य के रूप में 1 नवंबर, 1966 को देश के नक्शे पर अस्तित्व में आया था. इसके महज एक साल के भीतर यानी वर्ष 1967 में राज्य का पहला विधानसभा चुनाव आयोजित किया गया. इस ऐतिहासिक चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी. कांग्रेस ने बंपर वोटिंग के दम पर तब कुल 81 सीटों में से 48 सीटों पर जीत का परचम लहराया था. हरियाणा के इसी पहले विधानसभा चुनाव 1967 में एक निर्दलीय उम्मीदवार गया लाल ने भी हसनपुर विधानसभा सीट से चुनाव जीता था. यहां तक तो सबकुछ बिल्कुल सामान्य और ठीक चल रहा था, लेकिन उस समय किसी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि यही गया लाल आगे चलकर देश की ऐसी राजनीतिक हस्ती बन जाएंगे, जिनके नाम पर हमेशा के लिए एक मुहावरा अमर हो जाएगा. चूंकि चुनाव में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिला था, इसलिए पार्टी के विधायक दल के नेता चुने गए भगवत दयाल शर्मा ने 10 मार्च 1967 को हरियाणा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली. लेकिन उस दौर में भी कांग्रेस के भीतर कई अलग-अलग गुट सक्रिय थे और नेताओं के बीच आपसी टांग खिंचाई का दौर लगातार चल रहा था. यही वजह रही कि भगवत दयाल शर्मा की सरकार सूबे में ज्यादा दिनों तक टिक नहीं सकी. पार्टी के भीतर चल रही अनबन और तीखे विरोध के चलते कांग्रेस के कई विधायक अचानक बागी हो गए. इस सियासी उठापटक के दौरान कांग्रेस के इन बागी विधायकों ने कुछ निर्दलीय विधायकों को अपने साथ मिलाया और एक नया राजनीतिक मोर्चा खड़ा कर दिया. इस कदम ने मुख्यमंत्री भगवत दयाल शर्मा और कांग्रेस आलाकमान दोनों की मुश्किलें बेहद बढ़ा दीं. कांग्रेस पार्टी किसी भी तरह अपनी सरकार को बचाने की हरसंभव कवायद में जुट गई. हरियाणा में एक तरफ जहां भगवत दयाल शर्मा की सरकार को गिराने और दूसरी तरफ नया सियासी समीकरण बनाने की जोड़-तोड़ चल रही थी, इसी बीच हसनपुर से विधायक गया लाल ने कुछ ऐसा किया जिसने सबको चौंका दिया. गया लाल ने एक ही दिन में, महज 9 घंटे के भीतर कई बार अपना राजनीतिक पाला बदला और धड़ाधड़ पार्टियां ज्वाइन कीं. इन 9 घंटों के दौरान गया लाल पहले एक गुट में शामिल हुए, फिर थोड़ी ही देर बाद वहां से निकलकर दूसरे विरोधी गुट में चले गए. इतना ही नहीं, जब 9 घंटे का समय खत्म होने में कुछ ही वक्त बचा था, तो उन्होंने एक बार फिर पलटी मारी और अपने पहले वाले गुट में वापस लौट आए. महज 9 घंटे में 3 बार पाला बदलने की इस अकल्पनीय घटना से हरियाणा की राजनीति में एक बड़ा भूचाल आ गया.

फीफा विश्व कप 2026

फुटबॉल की बादशाहत हथियाने 'जंग' शुरू 48 टीमों के बीच रहेगी कांटे की टक्कर

भारतीय समयानुसार रात्रि 12.30 बजे से मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के मैच से शुरुआत

मेक्सिको

फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है और फीफा विश्व कप इसकी सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता मानी जाती है। लगभग 100 साल के इतिहास में पहली बार इसका आयोजन 3 देशों- अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होगा। पहला मैच 12 जून को मेक्सिको सिटी में खेला जाएगा, जबकि फाइनल 20 जुलाई को अमेरिका के न्यू जर्सी में होगा। सभी की नजरें फुटबॉल के महाकुंभ पर होंगी।

48 टीमें लेने वाली है हिस्सा

विश्व कप का आयोजन हर 4 साल में एक बार किया जाता है। 2026 का संस्करण टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा विश्व कप होगा, जिसमें 48 टीमें होंगी। टीमों को 4-4 के 12 ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक समूह की शीर्ष 2 टीमें सीधे अगले दौर यानी राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी। जीत पर 3 अंक मिलेंगे, मैच ड्रॉ रहने पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा, जबकि हारने वाली टीम को कोई अंक नहीं मिलेगा।

मुकाबलों के लिए भी बदले गए नियम

राउंड ऑफ 32 में जगह बनाने वाली बाकी टीमें वे होंगी, जो अपने समूह में तीसरे स्थान पर रहेंगी और जिनका प्रदर्शन बेहतर होगा। इस चरण में 16 टीमें बाहर हो जाएंगी। हाफ टाइम के दौरान खिलाड़ियों को 15 मिनट का ब्रेक मिलेगा। ग्रुप चरण में पेनल्टी शूट आउट नहीं होगा। नॉकआउट चरण में मैच ड्रॉ रहने पर 30 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इसके बाद भी फैसला नहीं होने पर पेनल्टी शूटआउट से विजेता तय किया जाएगा।

इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजरें

फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे और स्पेन के लमिन यमाल पर खास नजर रहेगी। एम्बाप्पे अपना तीसरा विश्व कप खेलेंगे। उन्होंने 2018 में खिताब जीता था, जबकि 2022 में उपविजेता रहे थे। दूसरी ओर स्पेन के युवा स्टार यमाल को भविष्य का बड़ा खिलाड़ी माना जा रहा है। वहीं, अर्जेंटीना के लियोनल मेसी, पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और ब्राजील के नेमार भी आकर्षण का केंद्र होंगे। सालों से इन दिग्गजों की प्रतिद्वंद्विता ने फुटबॉल जगत पर गहरी छाप छोड़ी है।

कौन सी टीम किस ग्रुप में है?

ग्रुप ए : मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, चेकिया, दक्षिण कोरिया।
ग्रुप बी : बोस्निया और हर्जेगोविना, कनाडा, कतर, स्विट्जरलैंड।
ग्रुप सी : ब्राजील, हैती, मोरक्को, स्कॉटलैंड।
ग्रुप डी : ऑस्ट्रेलिया, पराग्वे, तुर्की, अमेरिका।
ग्रुप ई : कुरसाओ, इक्वाडोर, जर्मनी, आइवरी कोस्ट
ग्रुप एफ : जापान, नीदरलैंड, स्वीडन, ट्यूनीशिया
ग्रुप जी : बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड
ग्रुप एच : स्पेन, केप वर्डे, सऊदी अरब, उरुग्वे
ग्रुप आई : फ्रांस, सेनेगल, इराक, नॉर्वे
ग्रुप जे : अर्जेंटीना, अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन
ग्रुप के : पुर्तगाल, कांगो, उज्बेकिस्तान, कोलंबिया
ग्रुप एल : इंग्लैंड, क्रोएशिया, घाना, पनामा

तीन देशों के 16 शहरों में होंगे 104 मैच

ग्रुप चरण के बाद टूर्नामेंट राउंड ऑफ 32, राउंड ऑफ 16, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल के चरणों में आगे बढ़ेगा। कुल 104 मैच खेले जाएंगे, जो टूर्नामेंट के इतिहास में सर्वाधिक है। मुकाबलों का आयोजन 3 मेजबान देशों के 16 शहरों में होगा। इनमें सबसे ज्यादा मैच अमेरिका में खेले जाएंगे, जबकि कनाडा और मेक्सिको को 13-13 मैचों की मेजबानी मिली है। यह विश्व कप अपने आकार और आयोजन के लिहाज से अब तक का सबसे बड़ा संस्करण होगा।

फीफा विश्व कप के इतिहास में मिरोस्लाव क्लोसे ने 16 तो मेस्सी ने दागे हैं 13 गोल

मेक्सिको सिटी। फीफा विश्व कप सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट है, जहां खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से इतिहास रचा है। इस मंच पर गोल करना किसी भी खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है। कई दिग्गजों ने विश्व कप में अपनी छाप छोड़ी है। कुछ सितारे ऐसे रहे हैं, जिन्होंने लगातार गोल दागकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। ऐसे में आइए आगामी संस्करण से पहले टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल दागने वाले खिलाड़ियों पर नजर डालते हैं।

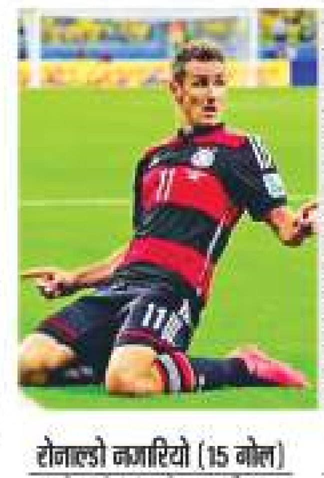

मिरोस्लाव क्लोसे (16 गोल)

पहले स्थान पर जर्मनी फुटबॉल टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी मिरोस्लाव क्लोसे हैं। उन्होंने फीफा विश्व कप में 24 मैच खेलते हुए रिकॉर्ड 16 गोल किए थे। क्लोसे 2014 में विश्व कप जीतने वाली जर्मन टीम का भी हिस्सा रहे। जर्मनी के लिए उन्होंने 137 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 71 गोल दागे, जो देश की ओर से सर्वाधिक है। इस मामले में दूसरे स्थान पर दिग्गज स्ट्राइकर गर्ड मुलर हैं, जिन्होंने 62 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 68 गोल किए थे।

रोनाल्डो नजारियो (15 गोल)

ब्राजील की 1994 और 2002 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे रोनाल्डो नजारियो इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 19 मुकाबलों में 15 गोल दागे थे। ब्राजील के लिए इस खिलाड़ी ने 98 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 62 गोल किए। 1994 विश्व कप में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था, लेकिन 2002 विश्व कप में उन्होंने 8 गोल किए थे। टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने के लिए उन्हें गोल्डन बूट पुरस्कार भी मिला था।

गर्ड मुलर (14 गोल)

तीसरे स्थान पर जर्मनी के दिग्गज स्ट्राइकर गर्ड मुलर हैं। उन्होंने फीफा विश्व कप के 13 मुकाबलों में 14 गोल दागे थे। 1970 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 10 गोल किए और गोल्डन बूट अपने नाम किया, हालांकि जर्मनी खिताब जीतने में सफल नहीं हो पाया था। इसके बाद 1974 विश्व कप में उन्होंने 4 गोल किए और जर्मनी को विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने जर्मनी के लिए 62 मैचों में 68 गोल दागे।

लियोनल मेसी और जस्ट फोंटेन (13-13 गोल)

अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनल मेसी और फ्रांस के जस्ट फोंटेन इस सूची में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। दोनों खिलाड़ियों ने फीफा विश्व कप में 13-13 गोल दागे हैं। मेसी 2026 विश्व कप में खेलते नजर आएंगे और उनके पास फोंटेन को पीछे छोड़ने का मौका होगा। किलियन एम्बाप्पे के नाम विश्व कप में 12 गोल हैं और वह भी इस सूची में आगे बढ़ सकते हैं। मेसी ने 2022 में अर्जेंटीना को विश्व कप जिताया था।

खबर संक्षेप

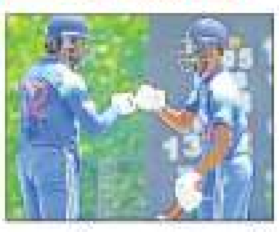

अफगानिस्तान ए ने डकवर्थ लुईस प्रणाली से भारत ए को चार रन से हराया

दाम्बुला। अफगानिस्तान ए ने बड़ा उलटफेर करते हुए सितारों से सजी भारत ए टीम को त्रिकोणीय एक दिवसीय श्रृंखला के वर्षाबाधित मैच में बृहस्पतिवार को डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर चार रन से हरा दिया। कप्तान तिलक वर्मा, उपकप्तान रुतुराज गायकवाड़ और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के अर्धशतकों की मदद से भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 349 रन बनाये। प्रभसिमरन ने 69 गेंद में 84, गायकवाड़ ने 80 गेंद में 66 रन और तिलक ने 73 गेंद में 66 रन बनाये। हल्की बूंदाबांदी के कारण मैच प्रति टीम 49 ओवर का कर दिया गया। बार बार बारिश के कारण खेल बाधित होने के बाद अफगानिस्तान ए को 38 ओवर में 294 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। ऐसा रहा अफगानिस्तान का खेल अफगानिस्तान के कप्तान इमरान (70 गेंद में नाबाद 75) और हसन इसाखिल (29 गेंद में 34) ने अफगानिस्तान को आक्रामक शुरुआत दी। बशीर शाह (52 गेंद में 51) और इमरान ने मिलकर टीम को 25.5 ओवर में दो विकेट पर 177 रन तक पहुंचाया जब फिर बारिश शुरू हो गई। उस समय अफगानिस्तान डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर लक्ष्य से चार रन आगे था जिसके आधार पर उसे विजयी घोषित कर दिया गया।

श्रीलंका अंडर-19 के खिलाफ भाविका भारतीय टीम की होंगी कप्तान

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज भाविका अहीर घरेलू मैदान पर सीमित ओवरों की आगामी अंडर-19 श्रृंखला में श्रीलंका के खिलाफ भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की महिला चयन समिति ने तीन टी20 और इतने ही एकदिवसीय मुकाबलों की श्रृंखला के लिए बृहस्पतिवार को टीम का चयन किया।

द्रविड़ के बेटे अन्वय भारत की अंडर-19 टीम में शामिल

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ को चार जुलाई से शुरू होने वाले श्रीलंका के दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड की जूनियर क्रिकेट समिति ने श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए भारत की पुरुष अंडर-19 टीम की घोषणा की। इस दौरे पर तीन वनडे और दो बहु-दिवसीय मैच खेले जाएंगे। द्रविड़ जूनियर को एक दिवसीय टीम में रजत बघेल के साथ दो विकेटकीपिंग विकल्पों में से एक के तौर पर चुना गया है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप आज से, भारत-पाक में 14 को भिड़ंत

पहली बार 12 टीमें ले रहीं हिस्सा, फाइनल मुकाबला 5 जुलाई को खेला जाएगा

नई दिल्ली

महिला टी-20 विश्व कप 2026 की शुरुआत शुक्रवार 12 जून से होने जा रही है। इंग्लैंड की सरजमीं पर आयोजित होने वाले इस विश्व कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम खिताबी दावेदारी पेश करने वाली बड़ी टीमों में से एक है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह ने 2026 महिला टी20 वर्ल्ड कप को इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बताया है। यह टूर्नामेंट 12 जून से शुरू होने जा रहा है, जिसमें पहली बार 12 टीमें हिस्सा लेंगी। फाइनल मुकाबला 5 जुलाई को खेला जाएगा। भारत को ग्रुप ए में रखा गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं। भारत का पहला मुकाबला 14 जून को पाकिस्तान के साथ होगा। पाकिस्तान आज तक एशिया के बाहर महिला टी-20 विश्व कप में भारत को नहीं हरा सका है।

किस ग्रुप में कौन सा देश

ग्रुप ए : भारत, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, बांग्लादेश, द. अफ्रीका।
ग्रुप बी : इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, स्कॉटलैंड।

इंग्लैंड और वेल्स करेंगे मेजबानी

इस बार महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी इंग्लैंड और वेल्स कर रहे हैं। टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड सहित कुल 12 टीमें भाग लेंगी। टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक हो गई है।

भारत का पूरा शेड्यूल

भारतीय महिला टीम अपना पहला मुकाबला 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम लगातार अहम मुकाबलों में मैदान पर उतरेगी। 14 जून: भारत बनाम पाकिस्तान। 17 जून: भारत बनाम नीदरलैंड्स। 21 जून: भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका। 25 जून: भारत बनाम बांग्लादेश। 28 जून: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया।

टीम इंडिया की नजर पहली ट्रॉफी पर

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम पहली बार यह खिताब जीतने की कोशिश करेगी। अब तक टीम इंडिया महिला टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है, लेकिन इस बार टीम से बड़ी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। टूर्नामेंट के बढ़े हुए फॉर्मेट और 12 टीमों की भागीदारी ने इसे अब तक का सबसे बड़ा महिला टी20 वर्ल्ड कप बना दिया है।

रोहित अफगानिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरते ही तोड़ देंगे 37 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली

क्रिकेटर रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ पहले वनडे के दौरान मैदान पर कदम रखते ही इतिहास रच देंगे। मौजूदा फॉर्मेट में भारत के लिए खेलने के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे और इस तरह से 37 साल पुराना रिकॉर्ड टूट जाएगा।

भारत और अफगानिस्तान के बीच खेली जाने वाली तीन मैचों का वनडे सीरीज का आगाज 13 जून से होने जा रहा है। इस सीरीज का पहला मैच धर्मशाला में होगा। इस मैच के दौरान मैदान पर कदम रखते ही टीम इंडिया के स्टार ओपनर हिटमैन रोहित शर्मा 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ेंगे। आपको बता दें कि टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और हरफनमौला हार्दिक पंड्या चोट के चलते इस सीरीज से बाहर से हो गए हैं। इंग्लैंड दौरे पर इन दोनों खिलाड़ियों की वापसी की उम्मीद की जा रही है।

मोहिंदर अमरनाथ के नाम है सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का टैग

रोहित शर्मा जब अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून को धर्मशाला के मैदान में उतरेंगे तो उनकी उम्र 39 साल 44 दिन होगी और वह वन डे में भारत के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। आपको बता दें कि इससे पहले यह रिकॉर्ड 1983 के वर्ल्ड कप चैंपियन प्लेयर मोहिंदर अमरनाथ के नाम था। उन्होंने भारत के लिए आखिरी वनडे 1989 में खेला था, तब वह 39 साल 36 दिन के थे। अब 37 साल बाद रोहित शर्मा उनका यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए एकदम तैयार हैं।

सिंधू और तन्वी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में

सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और युवा खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने प्रतिद्वंद्वियों को सीधे गेम में हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू ने राउंड ऑफ 16 मैच में हमवतन ईशारानी बरुआ को 42 मिनट में 22-20, 21-12 से शिकस्त दी।

बुधवार को चीनी ताइपे की पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी च्यू पिन चियान को हराकर उलटफेर करने वाली तन्वी ने हमवतन मालविका बंसोड़ को 21-13, 21-15 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अब सिंधू चीनी ताइपे की चेन सु यु से भिड़ेंगी जबकि तन्वी का सामना जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से होगा। तान्या हेमंत का सफर थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से 12-21, 15-21 से हारकर खत्म हो गया।

अन्य खिलाड़ियों का ऐसा रहा प्रदर्शन

भारत के हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के माइकल ओवेन और डायलन सोएदजासा की जोड़ी को 21-17, 21-7 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब वे अगले दौर में चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लियू कुआंग हेंग की जोड़ी से भिड़ेंगे। ध्रुव रावत और के मनीषा की मिश्रित युगल जोड़ी दूसरे दौर में जापान के अकीरा कोगा और नात्सु सैतो की जोड़ी से 19-21, 18-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

वनडे रैंकिंग में सलाना अपडेट के बाद भारतीय क्रिकेट टीम टॉप पर

नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की पुरुष वनडे टीम रैंकिंग के सलाना अपडेट के बाद भी भारतीय क्रिकेट टीम शीर्ष स्थान पर बरकरार है। हालांकि, भारत और दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के बीच अंकों का अंतर कम हो गया है। भारत की रेटिंग 119 से घटकर 118 हो गई है, जबकि न्यूजीलैंड की रेटिंग 2 अंक बढ़कर 113 पहुंच गई है। इसके बावजूद भारतीय टीम वनडे रैंकिंग में पहले स्थान पर कायम है।

अन्य टीमों की स्थिति

वनडे रैंकिंग में मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 109 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर कायम है। शीर्ष-10 में एकमात्र बदलाव चौथे स्थान पर देखने को मिला है, जहां दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम (102) ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम (100) को पीछे छोड़ दिया है। वहीं, 9वें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच अंतर भी बढ़ गया है। दोनों टीमों के बीच अब रेटिंग अंकों का फासला 10 अंक का हो गया है।

टी-20 में भी शीर्ष पर बरकरार भारतीय टीम

भारतीय टीम सिर्फ वनडे क्रिकेट ही नहीं, बल्कि टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। भारतीय टीम के 275 रेटिंग अंक हैं। वहीं, टेस्ट रैंकिंग में भारत तीसरे स्थान पर मौजूद है। इस प्रारूप में उसके 104 रेटिंग अंक हैं। टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया पहले और दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर काबिज है। यानी भारत 2 प्रारूपों में शीर्ष-3 टीमों में शामिल है, जबकि टी-20 में उसका दबदबा बरकरार है।

अफगानिस्तान के खिलाफ 13 से वनडे सीरीज : आगामी आईसीसी वनडे विश्व कप को देखते हुए भारतीय टीम इस साल कई 50 ओवर के मुकाबले खेलेगी। भारत का अगला वनडे कार्यक्रम अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर खेली जाने वाली 3 मैचों की सीरीज है। इस सीरीज की शुरुआत 13 जून से होगी।

क्रिकेट अंडर-19 : श्रीलंका दौरे में भारत की अगुवाई करेंगे यशबर्धन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की जूनियर क्रिकेट समिति ने बृहस्पतिवार को श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए भारत की पुरुष अंडर-19 टीम की घोषणा की। इस दौरे में तीन वनडे और दो बहु-दिवसीय मैच शामिल हैं। टीम की अगुआई यशबर्धन सिंह चौहान करेंगे जबकि लक्ष्य रायचंदानी को उप-कप्तान नियुक्त किया गया। भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ भी वनडे टीम में शामिल हैं। एक दिवसीय टीम में विकेटकीपर रजत बघेल और अन्वय द्रविड़ होंगे जबकि बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए विकेटकीपिंग के लिए मानव कृष्णा और आर्यन संदेश सकपाल को चुना गया है।

द. अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जाएंगे मुकाबले

वनडे विश्व कप 2027 का शुभारंभ 4 अक्टूबर से

नई दिल्ली

अगले साल होने वाला वनडे विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। इसके कार्यक्रम को तय कर दिया गया है, जिसके तहत टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 तक आयोजित हो सकता है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के मुताबिक इन तारीखों पर सहमति मई में अहमदाबाद में हुई इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल बोर्ड बैठक के दौरान बनी थी। अब इस कार्यक्रम को अंतिम रूप जुलाई में सिंगापुर में होने वाली आईसीसी की वार्षिक आम बैठक में दिया जाएगा।

इस बार 14 टीमें लेंगी हिस्सा

साल 2003 के बाद पहली बार अफ्रीकी महाद्वीप पर वनडे विश्व कप खेला जाएगा। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका 2007 टी-20 विश्व कप, 2009 चैंपियंस ट्रॉफी और 2023 महिला टी-20 विश्व कप की मेजबानी कर चुका है। यह टूर्नामेंट फिर से 14 टीमों के प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। शीर्ष-3 टीमें सुपर-6 चरण में पहुंचेंगी। दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे सीधे क्वालीफाई करेंगे, जबकि नामीबिया को क्वालीफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

ज्यादा मुकाबले दक्षिण अफ्रीका में खेले जाएंगे

दक्षिण अफ्रीका के 8 मैदानों में 2027 क्रिकेट विश्व कप के अधिकांश मुकाबले खेले जाने की संभावना है, जहां कम से कम 54 में से 41 मैच हो सकते हैं। जिम्बाब्वे को 8 से 10 मैच मिलने की उम्मीद है, जबकि नामीबिया में 3 मुकाबले खेले जाएंगे। जिम्बाब्वे के पास अब 2 के बजाय 3 स्टेडियम होंगे, जिसमें विक्टोरिया फॉल्स भी शामिल है। फाले मोसी-ओआ-तुनीया स्टेडियम इस साल पूरा होगा और अगले मई में आधिकारिक रूप से शुरू किया जाएगा।

हांगकांग की बैठक में होगा आखिरी फैसला

यह विश्व कप 2027-2031 फ्यूचर टूर प्रोग्राम का पहला आईसीसी टूर्नामेंट भी होगा। इस पूरे कार्यक्रम को इस साल हांगकांग में होने वाली आईसीसी बैठकों में अंतिम रूप दिया जाएगा। फिलहाल इस पर शुरुआती चर्चा हो चुकी है, लेकिन सबसे बड़ा मुद्दा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की संरचना और उसके संभावित विस्तार को लेकर बना हुआ है। इसी कारण एफटीपी की रूपरेखा को अंतिम रूप देने में देरी हो रही है।

पिछले सप्ताह सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार क्षमा शर्मा ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित स्टोरी टेलिंग सेशन के दौरान एक कहानी बुनकर बच्चों को सुनाई, बच्चों ने खूब आनंद लिया। हरिभूमि (बालभूमि) के आग्रह पर क्षमा जी ने वो कहानी हमें लिख कर दी है। यह कहानी उस राक्षस और बच्चों की है, जो बच्चों की टॉफियां लेकर भाग जाता है। निडर बच्चे उस राक्षस से अपनी टॉफियां लेने के लिए उसका पीछा आसमान तक करते हैं। इस बीच बच्चों की मुलाकात एक बहुत प्यारी सी मछली से होती है, जो उन्हें सुरक्षा देती है। इस दरमियान बच्चों को जो मीठे-प्यारे और साहसिक अनुभव होते हैं, वे बहुत ही रोमांचक हैं। बच्चो, तुम भी इस कहानी का मजा लो।

हिप-हिप हुर्रे...

कहानी
क्षमा शर्मा

मेरे प्यारे बच्चो, आज मैं तुम्हें जो कहानी सुनाने जा रही हूं, बहुत ही मजेदार है, तो सुनो- सोनपुर कस्बे के एक घर में अपने दो बेटों के साथ दादी रहती थीं। उनके बड़े बेटे के एक बच्ची अनाया और बेटा आरव था, छोटे बेटे के बच्चों का नाम लव और कुश था। गर्मी की छुट्टियां चल रही थीं। बच्चों की दादी और मम्मी-पापा नहीं चाहते थे, बच्चे हरदम मोबाइल और कंप्यूटर में उलझे रहें। दादी हर सुबह बच्चों के साथ मिलकर कोई न कोई ऐसा काम करतीं, जिसमें उन्हें मजा आए। एक दिन उन्होंने बच्चों से पेंटिंग करवाई। चारों में से आरव ने बंदर, शेर और जंगल बनाया, अनाया ने एक तालाब में ढेर सारे कमल खिलाए। वहां मछलियां भी तैर रही थीं। लव ने एक राक्षस बनाया, जो आसमान में उड़ा जा रहा था और कुश, उसने तो एक ऐसी दुकान बनाई, जिसमें बस रंग-बिरंगी टॉफियां भरी थीं।

अगले दिन दादी बच्चों से बोलीं कि तुम लोगों ने बहुत अच्छी पेंटिंग्स बनाई हैं, सभी को ईनाम में टॉफी मिलेगी। वे टॉफी का पैकेट लेकर आईं और सामने की मेज पर रख दिया। तभी दीवार से कूदकर एक बंदर आया और टॉफी के पैकेट को लेकर ये गया और वो गया। दादी चिल्लाईं, 'ओह, ये मुआ राक्षस फिर से आ गया।'

'मगर दादी वह राक्षस कहां, वह तो बंदर था।' आरव बोला। 'तुम्हें नहीं मालूम, यह राक्षस ही है। रूप बदल-बदलकर आता है। इसे टॉफी-चॉकलेट बहुत पसंद हैं। लगता है मुझे ही इसका पीछा करके टॉफी का पैकेट वापस लाना पड़ेगा।' कहती हुई दादी अंदर गईं और अपनी कई साड़ियां उठाकर ले आईं। उसकी एक रस्सी बनाकर उन्होंने हवा में उछाला, तो वह किसी डंडे की तरह सीधी खड़ी हो गई। बच्चे आश्चर्य से देखने लगे। फिर दादी बोलीं, 'अब मैं इस रस्सी के सहारे चढ़कर आसमान में जाती हूं। देखती हूं, राक्षस मुझसे बचकर कहां जाता है?'

यह सुनकर बच्चे चिंतित हो गए। दादी तो बूढ़ी हैं। कहीं ऊपर से गिर गईं, तो क्या होगा? आरव बोला, 'दादी आप नहीं, हम उसे ढूंढने जाएंगे।'

लव ने आरव की बात का समर्थन किया, 'हां, यही ठीक रहेगा।' कुश भी साथ चलने को तैयार हो गया। अनाया कहने लगी, 'मैं भी जाना चाहती हूं, लेकिन कहीं हम गिर गए तो!'

'चल तू हमारे साथ, गिर कैसे जाएगी। हम सब रस्सी को पकड़े होंगे और तुझे भी पकड़े रहेंगे।' आरव बोला।

बस फिर क्या था, बच्चे एक-एक करके रस्सी पर चढ़ गए। रस्सी हवा में ऐसे उड़ने लगी जैसे कोई पंछी। दादी ने उनको बॉय..बॉय कहा। वे तब तक उन्हें हवा में जाती देखती रहीं, जब तक बच्चे आंखों से ओझल न हो गए।

बच्चे उड़े जा रहे थे। आगे-आगे वही बंदर, जो टॉफी का पैकेट लेकर भागा था। पृथ्वी दूर रह गई थी। वहां से सारे पेड़, ऊंची इमारतें, बहुत छोटे-छोटे नजर आ रहे थे। तभी कमाल हुआ। बंदर गायब था। अब उनके आगे बड़े-बड़े बालों वाला, काले रंग का भारी-भरकम एक राक्षस उड़ रहा था। उसने पीछे मुड़कर बच्चों को देखा और जोर से ठहाका लगाया। उसके बड़े-बड़े दांत और सींग देखकर बच्चे डर गए, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। राक्षस उन्हें टॉफी का पैकेट दिखाकर चिढ़ाता। कभी इधर उड़ता, तो कभी उधर। उसके पीछे-पीछे रस्सी भी उड़ी चली जाती, जिसके सहारे बच्चे लटके थे।

तभी एकाएक जोरदार धमाका हुआ। चारों ओर धुआं फैल गया, अंधेरा छा गया। बच्चों को लगा कि कहीं वे रास्ता भूलकर धरती की तरफ ही न चले जाएं। जब धुआं छंटा, अंधेरा कम हुआ, तो राक्षस कहीं नजर ही नहीं आया। बच्चे हक्के-बक्के हो गए, आखिर राक्षस कहां गया! वहां तो कोई घर या झोपड़ी भी दिखाई नहीं दे रही थी। हर तरफ बस बियाबान। कहां ढूंढें उसे? अचानक रस्सी ऊपर की ओर उड़ने की बजाय नीचे की तरफ उतरने लगी। रस्सी ने उन्हें एक नदी के किनारे उतार दिया और खुद गोल घेरा बनाकर सिमट गई। अनाया बोली, 'रस्सी को शायद पता है कि राक्षस यहीं कहीं है।'

'यह रस्सी जादुई है। मगर दादी के पास आई कहां से, उन्होंने इसके बारे में कभी बताया भी नहीं।' लव बोला।

चारों बच्चे नदी के किनारे बैठ गए, तभी उन्हें मीठे गाने की आवाज सुनाई दी। घुंघरू की आवाजें भी। वे समझ नहीं सके कि धरती पर हैं या आसमान में। तभी अचानक नदी के बीच छपाक-छपाक की आवाज सुनाई दी। आरव डरकर खड़ा हो गया। बोला, 'कहीं कोई मगरमच्छ तो नहीं बढ़ा चला आ रहा?' लेकिन तभी पानी के ऊपर एक लाल सिर दिखाई दिया, वह एक बड़ी-सी मछली थी। किनारे पर आकर बोली, 'बच्चो, यहां तुम क्यों आए हो?'

सभी एक सुर में बोले, 'हम उस राक्षस को ढूंढ रहे हैं, जो हमारा टॉफी का पैकेट लेकर भाग गया है।' सुनकर मछली को आश्चर्य हुआ, 'अरे, एक टॉफी के पैकेट के पीछे तुम इतनी दूर तक चले आए, दूसरा ले आते।'

बच्चे बोले, 'नहीं, गुस्सा इस बात पर है कि राक्षस अगर टॉफी खाना चाहता था, तो वह दादी से मांग लेता, लेकर भागा क्यों? किसी की चीज इस तरह हड़प लेना तो बुरी बात है न।' मछली बोली, 'हां ये तो सही कहा तुमने। लेकिन तुम लोगों ने जब राक्षस का पीछा किया तो वह गायब हो गया होगा।' लव जोर से बोला, 'हां, बिल्कुल यही हुआ।'

'मगर अब तो वह गुफा के अंदर चला गया होगा। उसकी गुफा का दरवाजा उसके अलावा कोई और नहीं खोल सकता। वह मजबूत पत्थर से बना है।' मछली ने बताया।

'तो अब हम क्या करें?' बच्चे बोले।

'तुम्हें सुबह का इंतजार करना होगा।' मछली ने कहा।

'सवेरे तक! तो क्या हम वापस जाकर फिर से आएं? यहां तो कैसे रहेंगे? हमें भूख लगी है। रात में सोएंगे कहां? अगर राक्षस रात में गुफा से बाहर निकल आया तो?' बच्चे एक-एक करके पूछने लगे।

'उसकी चिंता तुम मत करो। मैं यहां की रानी हूं। तुम रात भर यहीं रहना, जो चाहोगे वह खाना। बस तुम्हें पानी के अंदर रहना होगा, जिससे कि राक्षस अगर बाहर भी आए, तो उसकी नजर तुम पर न पड़े।' मछली जैसे बच्चों की दोस्त बन गई थी। 'लेकिन हम पानी के अंदर सोएंगे कैसे? हमारा तो दम घुट जाएगा।' अनाया गोल-गोल आंखें घुमाकर बोली।

'इस नदी में मुझ जैसे ही बड़े-बड़े कछुए, मेंढक, केकड़े और दूसरी मछलियां हैं। तुम आराम से रातभर उनकी पीठ पर सोना। खाने के लिए तुम्हारे लिए तरह-तरह के फल और हमारे यहां की विशेष मिठाइयां मिल जाएंगी।' मछली हंसते हुए बोली। मछली रानी की बात सुनकर सारे बच्चे खुश हो गए। उन्होंने खूब फल और मिठाई खाई। उन्हें पीने के लिए खुशबूदार शर्बत दिया गया।

उस रात बच्चे मछली, कछुए की पीठ पर इतनी गहरी नींद में सोए कि उन्हें पता ही नहीं चला कि कब सवेरा हो गया। तब मछली रानी और उनके मंत्री मेंढक ने कहा, 'बच्चो, सावधान! अब न तो तुम्हें पानी से मुंह बाहर निकालना है, न ही कोई बात करनी है, क्योंकि राक्षस के भी जागने का समय हो गया है।'

मेंढक की बात सच हुई। थोड़ी ही देर में बच्चों को धम-धम की आवाज सुनाई दी। राक्षस नदी की तरफ ही बढ़ा चला आ रहा था। वह जोर-जोर से हंस रहा था। कह रहा था, 'मुझे सब पता है कि तुम कहां छिपे हो? अब बचकर कहां जाओगे बच्चू! अभी तुम्हारा भुरता बनाता हूं।'

फिर राक्षस नदी के किनारे घूमने लगा। 'हा-हा..' करके हंसता जाता। नदी के अंदर छिपे बच्चों को डर भी लगा, लेकिन मछली, मेंढक और केकड़े ने उन्हें इशारे से ढांढस बंधाया। बहुत देर ढूंढने के बाद राक्षस बोला, 'लगता है मेरा पीछा करते-करते थक गए और वापस चले गए। मुझे भी भूख लगी है। चलो धरती की तरफ शिकार करने जाता हूं।' एकाएक वह राक्षस एक विशालकाय शेर में बदल गया। फिर धीरे-धीरे नीचे पृथ्वी की ओर उतरने लगा।

राक्षस के जाते ही चारों बच्चे नदी से बाहर आ गए। मछली ने कहा, 'सामने कुछ दूर जाओ। फिर बाएं मुड़ो। वहीं राक्षस की गुफा है। देख लेना कि उसका दरवाजा खुला है कि नहीं। यदि नहीं खुला, तो फिर तुम उसे नहीं खोल पाओगे। मैं यहीं तुम्हारा इंतजार कर रही हूं।'

अनाया, आरव, लव, कुश गुफा की तरफ दौड़ पड़े। वहां पहुंचे तो जोर से चिल्लाए, 'हिप-हिप हुर्रे!' दरवाजे का पत्थर एक ओर पड़ा था। चारों तेजी से गुफा के अंदर पहुंचे, लेकिन वहां बहुत अंधेरा था। वे छू-छूकर टॉफी का पैकेट ढूंढ़ने लगे। कभी उनके हाथ कोई हड्डी लगती, तो कभी बाल, तो कभी कोई कपड़ा। अचानक एक पोटली आरव को मिली। हो सकता है कि टॉफी उसी में हो। वे उसे लेकर बाहर आए। लेकिन यह क्या, पोटली में तो बेशुमार रत्न, अशर्फियां और सोने-चांदी के जेवर थे। उन्हें देखकर बच्चे बहुत खुश हुए।

'इसमें तो न जाने कितनी टॉफियां खरीदी जा सकती हैं। लेकिन नहीं, पता नहीं, यह खजाना किसका है। हो सकता है, वह भी कभी इसे ढूंढ़ता हुआ इधर आए। यूं भी पापा-मम्मी और दादी कहते हैं कि कभी किसी दूसरे की चीज नहीं लेनी चाहिए।' बच्चे जरा भी नहीं ललचाए, पोटली गुफा के अंदर रखी और वापस नदी की तरफ आए। रानी मछली वहीं उनका इंतजार कर रही थी। बच्चों ने सारी बात उसे आकर बताई। वह मुस्कुराते हुए बोली, 'कोई बात नहीं। तुम धरती पर वापस जाओ। यह यात्रा तुम्हें हमेशा याद रहेगी।'

अचानक बच्चों ने देखा कि राक्षस के कारण जिस रस्सी ने अपने को छिपा लिया था, वह धरती की तरफ नीचे लटकी थी। बच्चों ने उसे पकड़ा तो वह तेजी से नीचे उतरने लगी। जल्दी ही वे अपने घर के आंगन में उतरे। सब उनका इंतजार कर रहे थे। सारी बात सुनकर दादी बोलीं, 'टॉफी का पैकेट तो ये रहा।' चारों बच्चों का मुंह खुला रह गया। अब बच्चों को दादी से यह सवाल पूछना था, जहाज की तरह उड़ने वाली रस्सी उनके पास आई कहां से? और क्या राक्षस टॉफी नहीं ले गया था? *

कविता / नरेंद्र सिंह 'नीहार'

खरबूजे-तरबूजे

गर्मी की आहट होते ही,
निकल पड़े खरबूजे।
मीठी-मीठी प्यास जगाते,
गली-गली तरबूजे।
मम्मी रोज सुबह ले लेती,
काट-छांट कर हमें खिलाती।
मीठा गूदा, मीठा पानी,
घर-भर में खुशबू भर जाती।

खनिज विटामिन के प्याले,
मौसम के फल प्यारे-प्यारे।
छिलका बीज सभी गुणकारी,
पानी के छोटे रस धारे।
हरी पट्टियां धूसर धारी,
गोल-गोल से खरबूजे।
बाहर से ये हरे-हरे हैं,
लाल रसीले तरबूजे।

एंज्वॉयमेंट
शिखर चंद जैन

बच्चो, आजकल तुम्हारी गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं। लेकिन दिन के समय बाहर जाकर खेलने से तुम बीमार हो सकते हो। ऐसे में तुम अपने भाई-बहन या फ्रेंड्स के साथ घर में ही वर्ड या पजल गेम्स खेल सकते हो। इन्हें खेलने में तुम सबको मजा तो आएगा, तुम इंटेलिजेंट और स्मार्ट भी बनोगे।

ये वर्ड गेम्स-पजल एक्टिविटीज तुम्हें बनाएंगे इंटेलिजेंट-स्मार्ट

बच्चो, हम तुमको कुछ ऐसे मजेदार वर्ड गेम्स और पजल एक्टिविटीज के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें तुम घर के भीतर ही खेल सकते हो। ये इंटरेस्टिंग तो हैं ही इनसे ब्रेन की एक्सरसाइज होती है, जिससे तुम इंटेलिजेंट भी बनोगे।

क्रॉसवर्ड: क्रॉसवर्ड एक स्क्वायर ग्रिड होता है, जिसमें सफेद और काले छोटे-छोटे स्क्वायर बने होते हैं। हल करने के संकेतों को दो श्रेणियों में बांटा जाता है, क्रॉस (बाएं से दाएं) और डाउन (ऊपर से नीचे)। तुम्हें संकेतों को पढ़कर सही शब्द का अनुमान लगाना होता है और हर सफेद खाने में एक अक्षर भरना होता है। सभी शब्द एक-दूसरे को काटते हैं, इसलिए एक शब्द का सही अक्षर दूसरे शब्द को हल करने में मदद करता है। क्रॉसवर्ड शब्दावली यानी वर्ड पॉवर बढ़ाने और तर्कशक्ति को तेज करने का बेहतरीन तरीका माना जाता है। न्यूज पेपर्स, कुछ मैगजीस के अलावा क्रॉसवर्ड बुक्स में तुमको यह गेम मिल जाएगा। आधुनिक क्रॉसवर्ड का आविष्कार ब्रिटिश पत्रकार आर्थर वाईन ने किया था। पहली क्रॉसवर्ड पहेली 21 दिसंबर, 1913 को 'न्यूयॉर्क वर्ल्ड' अखबार में प्रकाशित हुई थी।

एनाग्राम: इसमें किसी शब्द के अक्षरों को आगे-पीछे करके एक नया सार्थक शब्द बनाना होता है। एनाग्राम में तुम्हें एक शब्द दिया जाता है। तुमको उस शब्द के सभी अक्षरों का उपयोग करना होता है न कोई अक्षर छोड़ना है और न ही नया अक्षर जोड़ना है। उन अक्षरों को इस तरह व्यवस्थित करना होता है कि एक नया सार्थक शब्द बन जाए। जैसे- अंग्रेजी के वर्ड 'साइलेंट' से 'लिसन' बनाना। यह एक्टिविटी वर्ड्स की स्पेलिंग की बारीकियों को समझने और रचनात्मक सोच विकसित करने में मदद करती है।

वर्ड सर्च: इसमें अक्षरों के एक अस्त-व्यस्त जाल में तुम्हें नीचे दिए गए शब्दों को खोजना होता है। इसमें शब्द क्षैतिज (हॉरिजेंटल), ऊर्ध्वाधर (वर्टिकल) या तिरछे (डायगोनल) छिपे हो सकते हैं। वर्ड सर्च पजल को सबसे पहले 1968 में ओक्लाहोमा के नॉर्मन ई. गिब्ट ने बनाया था। उन्होंने इसे स्थानीय अखबार के लिए तैयार किया था ताकि बच्चों को शब्दों की पहचान करने में आसानी हो। यह पजल बच्चों में 'पैटर्न रिकग्निशन' (आकृतियों की पहचान) और कंसंट्रेशन बढ़ाने के लिए बहुत अच्छा माना जाता है।

वर्ड लेडर: इसमें तुम्हें एक शुरुआती वर्ड और एक टारगेट वर्ड दिया जाता है। दोनों की लंबाई समान होनी चाहिए। हर स्टेप पर तुम केवल एक अक्षर बदल सकते हो। अक्षर बदलने के बाद जो नया शब्द बने, वह भी मीनिंगफुल होना चाहिए। इस खेल का लक्ष्य है, कम से कम स्टेप्स में टारगेट वर्ड तक पहुंचना। इसका आविष्कार 1877 में 'एलिस इन द वंडर वर्ल्ड' के लेखक लुईस कैरोल ने किया था। उन्होंने इसे 'डबलेट्स' नाम दिया था। यह एक्टिविटी तार्किक सोच और शब्दों के बीच के सूक्ष्म अंतर को पहचानने की शक्ति बढ़ाती है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / शिव मोहन यादव

रोचक-प्रेरक कहानियां

बच्चो, हाल में छपकर आया लेखिका अलका प्रमोद का कहानी-संग्रह 'मोबाइल बना सिरदर्द' बहुत मजेदार और सीख देने वाला है। संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। कहानी 'मोबाइल बना सिरदर्द' में आदीप नाम का होशियार लड़का है, जो इतना मोबाइल चलाता है कि उसकी आंखें कमजोर हो जाती हैं और सिर में दर्द रहने लगता है। डॉक्टर भी उसे मोबाइल से दूर रहने की सलाह देते हैं। तब दादी की कहानियां सुनकर उसकी मोबाइल चलाने की लत छूटती है। वह समझ जाता है कि मोबाइल का अधिक इस्तेमाल कितना हानिकारक हो सकता है। 'भूत भाग गया' कहानी में पीहू समेत मम्मी-पापा परेशान थे कि घर से खाने की चीजें कैसे गायब हो जाती हैं। पापा ने जब पूरी बात सुनी तो उन्होंने रसोई में सीसीटीवी कैमरा लगवा दिया। यह कहानी अंधविश्वास और डर का पर्दाफाश करती है। 'रोटी का मूल्य' कहानी में अक्षिता एक भूखे बच्चे की मदद के लिए घर से ज्यादा भोजन ले जाती है। इस काम के लिए उसकी प्रिंसिपल भी उसकी तारीफ करती हैं। 'एक और उपहार' कहानी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती है।

कुल मिलाकर संग्रह की सभी कहानियां रोचक और प्रेरक हैं। कहानियों की भाषा सरल और सहज है। इन कहानियों के साथ बने चित्र भी तुमको बहुत पसंद आएंगे। *

किताब: मोबाइल बना सिरदर्द, लेखिका: डॉ. अलका प्रमोद, मूल्य: 240 रुपए, प्रकाशक: अद्विक पब्लिकेशन प्रा. लि., दिल्ली

जीके क्विज-209

1. किस इंडियन चेस प्लेयर ने पहली बार नॉर्वे चेस टूर्नामेंट जीता है?
2. हाल ही में कर्नाटक के नये मुख्यमंत्री किसे बनाया गया है?
3. किस देश ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है?
4. कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 में किसे नए खेल के रूप में शामिल किए जाने की घोषणा की गई है?
5. देश के वर्तमान रेल मंत्री कौन हैं?
6. वायुमंडल में सबसे ज्यादा गैस कौन सी है?
7. 1905 में बंगाल विभाजन किस ब्रिटिश वायसराय द्वारा किया गया?
8. विटामिन B12 का रासायनिक नाम क्या है?
9. बृहस्पति ग्रह के सबसे बड़े उपग्रह का नाम क्या है?
10. विश्व संगीत दिवस कब मनाया जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-209 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-208 का उत्तर: 1. ऑक्सीजन, 2. सुंदरलाल बहुगुणा, 3. कार्बन डाईऑक्साइड, 4. ओजोन परत, 5. सल्फर डाईऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड, 6. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, 7. वैभव सूर्यवंशी, 8. सिक्किम, 9. फिनलैंड, 10. जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि

जीके क्विज-208 का सही उत्तर देने वाले: वर्णिका-रायगढ़, तेजस्विनी-बिलासपुर, अंशिका-रायपुर, कुसुम-बिलासपुर, कबीर-हिसार, सुशांत-रोहतक

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पेड़ पर बैठे लेमर के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में छह अंतर हैं। तुम जल्दी से इन दोनों चित्रों में छह अंतर ढूंढ कर बताओ।

सही मिलान करो

बच्चो, यहां ऊपर एक कब (लिटिल टाइगर) के चार अलग-अलग चित्र दिए गए हैं। नीचे उन चित्रों की परछाइयां दी गई हैं, जो सीक्वेंस में नहीं हैं। तुम पेंसिल या पेन की सहायता से प्रत्येक चित्र के साथ उसकी सही परछाई का मिलान करो।

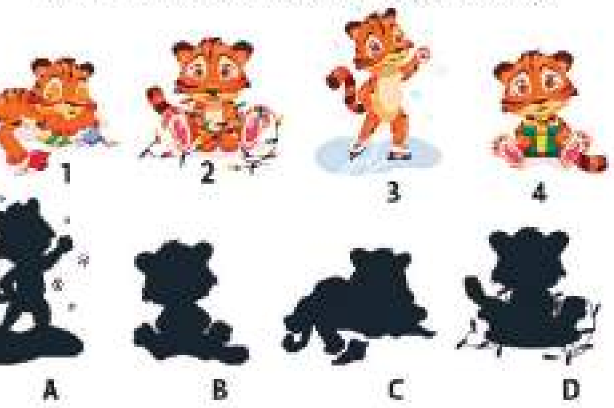

उत्तर: 1-C, 2-D, 3-A, 4-B

नवांगतुक बीएसए का शिक्षक संगठन ने किया भव्य स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। नव नियुक्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार गौंड के आगमन पर शिक्षक संगठन उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ 1160 के जिलाध्यक्ष नितिन चौरसिया के नेतृत्व में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संगठन के जिला मंत्री पंकज तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष अभिषेक खरे सहित जिला एवं ब्लॉक के पदाधिकारियों ने बीएसए का माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया।

जिलाध्यक्ष नितिन चौरसिया जी ने इस शुभ अवसर पर सम्मानीय बीएसए को पौधा सहित गमलाभेंट किया साथ ही अवगत कराया कि संगठन वृक्षारोपण के साथ ही शासन द्वारा सौंपे गए कार्यों एवं बच्चों को निपुण बनाने के लिए पूर्ण निष्ठा से प्रयास करेंगे, जिला मंत्री पंकज तिवारी ने विद्यालयों के सकारात्मक एवं सुधारात्मक निरीक्षण करने का अनुरोध किया, जिला कोषाध्यक्ष अभिषेक खरे ने जनपद को रैंकिंग सुधार हेतु शिक्षकों द्वारा समर्पित सहयोग का भरोसा दिया गया, सम्मानीय बीएसए द्वारा सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शिक्षकों की समस्याओं एवं सुझावों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए उनका यथासंभव समाधान किया जाएगा। साथ ही उन्होंने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित शैक्षणिक गतिविधियों तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देने की बात कही। शिक्षक समस्याओं को लेकर त्वरित निस्तारण एवं कार्यालय कार्य पद्धति सुधार के साथ ही शिक्षक समस्या निस्तारण जानकारी हेतु कॉल सेंटर बनाने का आश्वासन प्रदान किया गया, साथ ही शिक्षकों से छात्र नामांकन बढ़ाने के साथ ही ऑनलाइन कार्यों को प्राथमिकता के साथ करने का आवाहन किया। इस अवसर पर सैकड़ो की संख्या में शिक्षकों ने सहभागिता कर जनपद की शैक्षणिक व्यवस्थाओं एवं शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर बीएसए महोदय से विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक संगठन की ओर से बीएसए महोदय को स्मृति चिन्ह भेंट कर जनपद में उनका स्वागत किया गया। उपस्थित शिक्षकों ने नवांगतुक बीएसए के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में जनपद की शिक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनेगी। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण खरे, जिला संयुक्त मंत्री छवि कुमार वर्मा, जिला संगठन मंत्री रामकिशोर यादव, जिला संगठन मंत्री अनुपमा अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष अनुपमा रावत, जिला प्रचार मंत्री विनय रानी, ब्लॉक अध्यक्ष चिरगाँव अनुपम खरे, ब्लॉक मंत्री शिवम समाधिया, ब्लॉक कोषाध्यक्ष हंसराज साहू, ब्लॉक अध्यक्ष गुरसरायं अरविन्द घोष, ब्लॉक बबीना संरक्षक डॉ मनोज सोनी, ब्लॉक बबीना अध्यक्ष मनोज कुमार विश्वकर्मा, मंत्री प्रदीप चौरसिया, ब्लॉक कोषाध्यक्ष अजहर अली, ब्लॉक बंगरा अध्यक्ष टीकाराम श्रीवास, मंत्री मनोज त्रिपाठी, ब्लॉक कोषाध्यक्ष विश्वेश्वर प्रसाद वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष मोंठ राघवेन्द्र मिश्रा, मंत्री सुखमान, पूनम तिवारी, गार्गी वाजपेयी, पूनम पुरोहित, शम्भू दयाल शाक्य, अरविंद कुशवाहा, सपना जैन, अतुल दीक्षित, शकुंतला लोधी, भारती देवी, प्रीति गुप्ता, वंदना चतुर्वेदी, ज्योत्सना खरे, ज्योत्सना विश्वकर्मा, सर्वेश सोनी, शालिनी श्रीवास्तव, चंद्रशेखर वर्मा, सत्य प्रकाश मिश्रा, अजय कुशवाहा चंद्र प्रकाश पाहुजा, उमाशंकर श्रीवास, रुचि तिवारी, भूमिका बड़ोनिया, अर्चना साहू, आभा श्रीवास्तव, आरती सुमन, गायत्री सिंह, संगीता साहू, सुनीता गिरि, शमा खान, अंजना यादव, धर्मेंद्र जैन,प्रवीण गुप्ता, अजय प्रकाश, मनोज साहू, शशिकांत चौरसिया, रश्मि शर्मा, नीतू,ज्योति रैकवार, पिंकी साहू, सोम्य, रचना वानखेड़े, मधु शाक्या, निष्ठा श्रीवास्तव, शुभांकर चौरसिया, दिलीप कुमार राजपूत, संजय राजपूत, ममता कुशवाहा, कल्पना रानी, मन्जू मौर्य, रागिनी चंसोरिया, बबीता गुप्ता, अंजू शुक्ला, हरिओम, अरविन्द कुमार, हरिगोविंद, भगवान सिंह, दिनेश नरवरिया, प्रवीण यादव, अर्जुन यादव, धर्मपाल, जय प्रकाश, हरि कुमार वर्मा, मो0 सुलेमान, शुभा सुल्लेरे, कामिनी शर्मा, अर्चना सिंह चौहान, भैया लाल सहारिया, अभिलाषा अहिरवार, नीतू रिछारिया, हरगोविंद अहिरवार धर्मदासबबीता रिछारिया, एस पी कुशवाहा, सुभाष कुशवाहा, वीरेन्द्र बघैरिया, अंजली शुक्ला मंजुलिका बनोरियासहित सैकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे ।

रालोद की विशाल क्षेत्रीय बुन्देलखण्ड कार्यकारिणी घोषित, संगठन को मिली नई मजबूती

-राकेश कुशवाहा बड़ागांव बने क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने बुन्देलखण्ड क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अपनी नई क्षेत्रीय कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के निर्देशन में राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी के अनुमोदन तथा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व एम एल सी डॉ रामाशीष राय की संस्तुति पर एस0 सी0/ एस0 टी0 प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव एवं क्षेत्रीय बुंदेलखंड अध्यक्ष मुन्नालाल दिनकर ने घोषित इस कार्यकारिणी में बड़ी संख्या में अनुभवी एवं सक्रिय रालोद कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

घोषित कार्यकारिणी में याकूब खान, कमलेश सिंह चौधरी एडवोकेट, विपिन शिवहरे उर्फ ध्रुव गुप्ता, मुकेश द्विवेदी, संत धर्मराज, राजेश नायक एवं मंगल सिंह खंगार को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। मनोज बुधौलिया को क्षेत्रीय महासचिव (संगठन) तथा अनिल मौर्य को क्षेत्रीय महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है। विशेष रूप से बड़ागांव के वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कुशवाहा बड़ागांव को क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को संगठन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं राजबहादुर कुशवाहा (बांदा) को क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। नई कार्यकारिणी में 21 क्षेत्रीय सचिव, 36 विशेष आमंत्रित सदस्य तथा 50 कार्यकारिणी सदस्यों सहित कुल 105 पदाधिकारियों को संगठनात्मक दायित्व सौंपे गए हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इतनी व्यापक कार्यकारिणी के गठन से बुन्देलखण्ड में रालोद का संगठनात्मक ढांचा और अधिक मजबूत होगा तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों में पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी। पार्टी नेतृत्व ने नवमनोनीत पदाधिकारियों से जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने, किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं आमजन के बीच पार्टी की नीतियों को पहुंचाने तथा बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान किया है। कार्यकारिणी की घोषणा के बाद झांसी सहित पूरे बुन्देलखण्ड क्षेत्र में रालोद कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और पदाधिकारियों को बधाइयां देने का सिलसिला लगातार जारी है। नई कार्यकारिणी को लेकर पार्टी नेताओं का कहना है कि यह टीम बुन्देलखण्ड में रालोद को नई पहचान और नई ताकत देने का कार्य करेगी।

यूपी में ब्राह्मण कार्ड: शपथ लेते ही एक्शन में मंत्री मनोज पांडेय, लखनऊ में 108 बटुकों का किया सम्मान

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर 'ब्राह्मण कार्ड' पूरी तरह से चर्चा के केंद्र में आ गया है. प्रदेश के नवनियुक्त खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज पांडेय ने अपने पद की गोपनीयता की शपथ लेने के कुछ ही समय बाद अपनी राजनीतिक सक्रियता को तेजी से बढ़ा दिया. उन्होंने शुक्रवार को लखनऊ में 108 बटुकों के भव्य सम्मान समारोह किया.

राजनीतिक गलियारों में इस विशेष धार्मिक आयोजन को सीधे तौर पर ब्राह्मण समाज को साधने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है. चारबाग के रवींद्रालय में बटुकों का सम्मान: लखनऊ के चारबाग स्थित रवींद्रालय सभागार में हुए इस कार्यक्रम में मंत्री मनोज पांडेय ने वैदिक परंपरा के प्रतीक माने जाने वाले 108 बटुकों को अंगवस्त्र, धार्मिक दक्षिणा और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि सनातन धर्म और प्राचीन वैदिक संस्कृति की रक्षा में इन बटुकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है. वर्तमान सरकार उनके सर्वांगीण उत्थान, आधुनिक शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है. हाल ही में प्रयागराज में शंकराचार्य और बटुकों से जुड़े एक विवाद के बाद से ही प्रदेश में बटुक लगातार चर्चा में बने हुए हैं.

विपक्ष के आरोपों के बीच बीजेपी की नई रणनीति: प्रयागराज की उस विवादित घटना के बाद विपक्ष ने सत्तारूढ़ सरकार पर ब्राह्मण समाज की घोर उपेक्षा और उत्पीड़न करने का चौतरफा आरोप लगाया था. ऐसे नाजुक माहौल में सत्ताधारी दल के प्रमुख नीतिगत नेताओं का बटुक सम्मान कार्यक्रम करना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. भारतीय जनता पार्टी आगामी चुनावों के मद्देनजर अपने इस पारंपरिक ब्राह्मण मतदाताओं को हर हाल में अपने पक्ष में मजबूती से बनाए रखने की विशेष रणनीति पर काम कर रही है. उत्तर प्रदेश के चुनावी गणित में ब्राह्मण मतदाताओं की कुल संख्या हमेशा से ही बेहद निर्णायक मानी जाती रही है.

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी कर चुके हैं सम्मान: पिछले कुछ समय से विभिन्न कारणों के चलते इस प्रबुद्ध वर्ग के भीतर अंदरूनी नाराजगी की खबरें गाहे-बगाहे सामने आती रही हैं. यह पहला मौका नहीं है जब उत्तर प्रदेश सरकार के किसी इतने बड़े कद्दावर नेता ने सार्वजनिक रूप से बटुकों का ऐसा भव्य सम्मान किया हो. इससे पहले सुबह की सरकार में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी अपने आधिकारिक सरकारी आवास पर विशाल बटुक सम्मान समारोह कर चुके हैं. डिप्टी सीएम के उस कार्यक्रम में भी बहुत बड़ी संख्या में बटुक शामिल हुए थे, जिन्हें धार्मिक ग्रंथ व विशेष आर्थिक सहायता दी गई थी. रायबरेली के विधायक मनोज पांडेय का बड़ा संदेश: मंत्री मनोज पांडेय का प्रोग्राम भी ठीक उसी राजनीतिक और सामाजिक कड़ी का एक बड़ा हिस्सा माना जा रहा है. पांडेय वर्तमान में रायबरेली क्षेत्र से विधायक हैं और पूरे प्रदेश में एक बड़े, प्रखर ब्राह्मण चेहरे के रूप में उनकी एक मजबूत पहचान स्थापित है. मंत्रिमंडल में शामिल होने और शपथ ग्रहण के बाद जमीन पर यह उनका पहला सबसे बड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम है. इस कार्यक्रम से साफ है कि वे अपनी बढ़ती सक्रियता से पार्टी हाईकमान और अपने समाज दोनों को एक साथ बड़ा राजनीतिक संदेश देना चाहते हैं.

बबीना विधानसभा में शिक्षा क्रांति: 23.79 करोड़ की लागत से बना अत्याधुनिक मॉडल कंपोजिट विद्यालय

- विधायक राजीव सिंह पारीछा के प्रयासों से ग्राम बैदौरा में खुला आधुनिक शिक्षा का द्वार, प्री-प्राइमरी से कक्षा 12वीं तक होगी पढ़ाई

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बबीना विधानसभा क्षेत्र को शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में एक और बड़ी ऐतिहासिक सौगात मिली है। क्षेत्र के लोकप्रिय भाजपा विधायक राजीव सिंह पारीछा के विशेष प्रयासों से 'शिक्षित बबीना - विकसित बबीना' के संकल्प को साकार करते हुए ग्राम बैदौरा में एक भव्य और सर्वसुविधायुक्त विद्यालय का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस आधुनिक शिक्षण संस्थान के शुरू होने से ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को अब उच्च स्तर की शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

2,379.74 लाख की भारी-भरकम लागत से हुआ भव्य निर्माण

विभागीय आंकड़ों और विधायक कार्यालय से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय परियोजना के अंतर्गत बबीना विधानसभा (222) के ग्राम बैदौरा में इस आधुनिक विद्यालय का निर्माण कराया गया है। इस पूरे प्रोजेक्ट पर कुल ?2,379.74 लाख (तेईस करोड़ उनासी लाख चौहत्तर हजार रुपये) की भारी-भरकम लागत आई है। इस परिसर में प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए विश्वस्तरीय क्लासरूम, आधुनिक प्रयोगशालाएं और खेल मैदान तैयार किए गए हैं।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव

यह अत्याधुनिक शिक्षण संस्थान ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास का सशक्त केंद्र बनेगा। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह संस्थान सुदूर ग्रामीण अंचल के छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखेगा, जिससे वे देश और दुनिया के किसी भी मंच पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए सक्षम हो सकेंगे। विधायक राजीव सिंह पारीछा ने बताया कि 'बबीना विधानसभा का प्रत्येक बच्चे को बेहतर शिक्षा एवं समान अवसर प्राप्त हों' यही हमारी सबसे बड़ी प्रतिबद्धता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'मिशन 2027' के विजन के अनुरूप इस अत्याधुनिक कंपोजिट विद्यालय को धरातल पर उतारा गया है। इस अभूतपूर्व सौगात के मिलने पर समूचे क्षेत्र के अभिभावकों, किसानों और विद्यार्थियों ने विधायक और प्रदेश सरकार के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है।

धरातल की आवाज़: अब ग्रामीण बच्चों को भी मिलेगी कॉन्वेंट जैसी शिक्षा

शहर जाने की मजबूरी और भारी खर्च से मिली मुक्ति ' 'हमारे ग्रामीण इलाकों में कक्षा 12वीं तक अच्छे और आधुनिक स्कूलों की भारी कमी थी। बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए भारी-भरकम फीस देकर झांसी शहर भेजना पड़ता था, जिससे गरीब किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ता था। अब हमारे अपने गाँव बैदौरा में ?23.79 करोड़ की लागत से इतना भव्य सरकारी मॉडल स्कूल बन जाने से हमारी बरसों पुरानी चिंता दूर हो गई है। विधायक राजीव सिंह पारीछा जी का बहुत-बहुत आभार।

— रामकुमार राजपूत, स्थानीय किसान एवं अभिभावक (ग्राम बैदौरा) '

गाँव की बेटियों को आगे बढ़ने का मिलेगा समान अवसर

परिवहन और सुरक्षा की दिक्कतों के कारण कई लोग बेटियों को हाईस्कूल या इंटरमीडिएट के बाद आगे की पढ़ाई के लिए शहर नहीं भेज पाते थे। इस अत्याधुनिक कंपोजिट विद्यालय में प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं तक की पढ़ाई एक ही छत के नीचे होगी, जिससे गाँव की बेटियों की शिक्षा को पंख लगेंगे। आधुनिक लैब और सर्वसुविधायुक्त कक्षाओं के साथ यह संस्थान हमारे नौनिहालों के भविष्य की मजबूत नींव रखेगा।'

— सुश्री आरती अहिरवार, स्थानीय समाजसेविका एवं प्रबुद्ध नागरिक (बबीना क्षेत्र)

प्रोफेसर विनीत कुमार ने निदेशक के पद पर विधिवत पदभार ग्रहण किया

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के अंतर्गत संचालित इंस्टिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस में आज प्रोफेसर विनीत कुमार ने निदेशक के पद पर विधिवत पदभार ग्रहण किया।

पदभार ग्रहण करने के उपरांत प्रो. कुमार ने संस्थान के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की। उन्होंने कहा कि संस्थान में कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार को नई दिशा देने के लिए सभी के सहयोग से कार्य किया जाएगा। उनका मुख्य फोकस छात्रों को व्यावहारिक कृषि तकनीकों से जोड़ना, शोध को किसान-केंद्रित बनाना और बुंदेलखंड क्षेत्र की कृषि समस्याओं के समाधान पर काम करना रहेगा। प्रो. विनीत कुमार कृषि विज्ञान के क्षेत्र में लंबे समय से अध्यापन एवं शोध से जुड़े हुए हैं। उनके अनुभव से संस्थान को शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता प्राप्त करने में बल मिलेगा। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त निदेशक का स्वागत करते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। आज भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप पटेल सर के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण एवं जिला कार्यालय भाजपा पर केक काटा गया एवं मिठाई वितरण की गई लोगों ने जिला अध्यक्ष प्रदीप पटेल का जन्मदिन बड़े धूमधाम के साथ सेवा भाव के रूप में मनाया इस अवसर पर राजेंद्र सिंह बघेल, अजय राय नौटा, रोहित परिहार, दीपक त्रिपाठी, राघवेंद्र बुंदेला, जितेंद्र गुर्जर , अंशुल खरे , मनीष आर्य, हुकुम राजपूत, आशीष उपाध्याय , भरत पाल, प्रमोद रायकवार, कुम कुम शाक्या, अंशुल पांडे, भूपेंद्र दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

जयपाल सिंह एवं कैलाश पाल बने मुख्य मंडल प्रभारी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती के निर्देश पर कैलाश पाल व पूर्व जिला अध्यक्ष जयपाल सिंह अहिरवार को जनपद जालौन जनपद झांसी जनपद ललितपुर में सर्व समाज को जोड़ने के लिए मुख्य मंडल प्रभारी बनाया गया है। कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला.....वकीलों के चेम्बर में एक-दूसरे को अगूंठी पहना कर किया जा सकता है विवाह

(यंग भारत न्यूज)

मामला 1
मद्रास हाईकोर्ट का व्यक्त विचार था गलत
प्रेम विवाह की घोषणा से खतरे में पड़ सकता है जीवन
जनगणना करने का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार का
मामला 2

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718